रीवा
08 जुलाई 2026 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

काला हिरण फिल्म प्रोड्यूसर को जान से मारने की धमकी

पाकिस्तानी आतंकी बताने वाले ने वीडियो भेजा

दतिया,एजेंसी। मध्यप्रदेश के दतिया में फिल्म 'काला हिरण' के प्रोड्यूसर अमित जानी को पाकिस्तान के नंबर से जान से मारने की धमकी मिली है।

आरोप है कि खुद को पाकिस्तानी आतंकी बताने वाले शहजाद भट्टी ने वाट्सएप पर ऑडियो-वीडियो भेजकर फिल्म रिलीज नहीं करने की चेतावनी दी। धमकी में कहा गया कि अगर फिल्म रिलीज हुई तो उन्हें बम से उड़ा दिया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, नोएडा निवासी अमित जानी श्री पीतांबरा पीठ मंदिर में दर्शन करने दतिया आए थे। वे शहर के एक निजी होटल में ठहरे हुए थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर पाकिस्तान के नंबरों से वाट्सएप कॉल और धमकी भरे संदेश आने लगे।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग पूरी तरह पिघला

अभी यात्रा के 5 दिन ही हुए; करीब 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी

श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

अमरनाथ के बाबा बर्फानी प्राकृतिक बनते हैं, तराशा नहीं जाता: अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया

ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल अस्त्र मिसाइल की भी डील; मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

जकार्ता,एजेंसी। भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी।

भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है।

इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में भी मदद करेगा। ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए।

मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया।

पीएम शाम को जकार्ता में भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे। वे बुधवार को इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन जाएंगे। यह मंदिर 1000 साल से ज्यादा पुराना है।

पीएम मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान मिला: इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

मोदी बोले- भारत-इंडोनेशिया में सप्लाई चेन को मजबूत करना जरूरी... पीएम मोदी ने कहा- तकनीक के दौर में सप्लाई चेन मजबूत करना बेहद जरूरी है। भारत और इंडोनेशिया ने क्रिटिकल मिनरल्स और स्टील सेक्टर की सप्लाई चेन को मजबूत करने पर अहम समझौता किया है।

साथ ही स्टेनलेस स्टील और रेयर अर्थ मैग्नेट के क्षेत्र में दोनों देशों की कंपनियां नई साझेदारी करेंगी। भारत का PI जल्द ही इंडोनेशिया के पेमेंट सिस्टम से जुड़ेगा। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार करना और यात्रा करना आसान होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रांबानन मंदिर जाएंगे।

महाराष्ट्र में बारिश का कहर: 13 लोगों की मौत, 10 घायल

पहाड़ी इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी

» जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटा, मलबे में गाड़ियां दबीं

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। IMD ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। नासिक में भी आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। त्र्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रहेंगे।

वहीं, केरलम के वायनाड में टनल प्रोजेक्ट साइट पर मंगलवार को लैंडस्लाइड हो गया। मलबा गिरने से 5 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई बीते कई दिनों से भारी बारिश का कहर झेल रही है और शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। आम जनजीवन ठप हो गया है। अब महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में आज स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला किया है।

मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही आज मुंबई में तेज हवाएं चलने का भी अलर्ट जारी किया गया है।

महाराष्ट्र में पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई है। राज्य में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, करीब 100 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और भीषण बाढ़ के कारण सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं।

पिछले 24 से 48 घंटों के आंकड़े राज्य के तटीय और पश्चिमी हिस्सों में हुई भारी बारिश हुई है। लोनावला में पिछले 48 घंटों के दौरान सर्वाधिक 625 मिमी बारिश दर्ज की गई।

तेलंगाना में पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था; छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

निजामाबाद,एजेंसी। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई।

पहले छत से धक्का दिया, लेकिन प्रशांत बच गया था... पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें झगड़े होने लगे।

30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले खूब शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया।

जयपुर- सड़क किनारे परिवार पर चढ़ा ट्रेलर, 4 की मौत

» बच्चों के शव टुकड़ों में नाले में गिरे, चारों ओर मांस बिखरा, मां के दोनों पैर कटे

जयपुर,एजेंसी। जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार के 5 लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन बच्चों और पिता की मौत हो गई।

मां के दोनों पैर कट गए। हादसा इतना भीषण था कि बच्चों के शवों के चिथड़े उड़ गए। एक बच्चे के शव के दो टुकड़े हो गए। सभी लोग नाले में गिर गए। हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाईपास पर कमला नेहरू नगर में मंगलवार सुबह 8:46 बजे हुआ। मृतकों की पहचान राजसमंद के जैतपुरा का निवासी चंद्रप्रकाश और उनके बेटों रमेश (11), दीपक (8), रतन (10) के रूप में हुई है। चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी गंभीर रूप से घायल है। कैलाशी के दोनों पैर कट गए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा में इलाज चल रहा है।

गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था परिवार: हादसे का शिकार बागरी समाज का परिवार वैशाली नगर में किराए के मकान में रहता था। फुटपाथ पर झाड़ू बनाकर बेचता था। आज सुबह गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था।

बंगाल गैंगरेप मर्डर | **मु य आरोपी समेत 3 गिर तार**

बारूईपुर में जिंदा बच्ची तालाब में फेंकी थी, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दावा- फेफड़ों-पेट में पानी मिला

कोलकाता,एजेंसी। बंगाल पुलिस ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आनंद सरदार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर उसे शहर के बाजार इलाके से पकड़ा।

इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या तीन हो गई है। मामले की जांच के लिए 6 लोगों की स्थ्रढ्ढञ्ज बनाई गई है। मासूम 4 जुलाई को लापता हुई थी। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि मासूम सहेली के लिए गिफ्ट खरीदने निकली थी।

जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बाद में रविवार को उसकी लाश सूर्यपुर हाट इलाके के तालाब में मिली थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे।

पोस्टमॉर्टम में भी इस बात का खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने रेप के बाद उसे जिंदा ही तालाब में फेंका था। उसके फेफड़ो और पेट में पानी मिला।

एक आरोपी को भीड़ ने पीटकर मार डाला था... इससे पहले रविवार को लड़की का शव मिलने के तुरंत बाद, भीड़ ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी, जिस पर लड़की के रेप और मर्डर में शामिल होने का शक था। इसकी पहचान इंद्रजीत तांती के रूप में हुई थी।

15 राज्यों में महिलाओं को मिलने वाली सहायता राशि बढ़े

पीएम की आर्थिक सलाहकर परिषद ने कैश स्कीम पर सिफारिश की

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने सोमवार को कहा कि 15 राज्यों में महिलाओं से जुड़ी नकद सहायता योजनाओं की राशि की समय-समय पर समीक्षा होनी चाहिए। परिषद ने कहा कि नकद राशि महंगाई बढ़ने और परिवारों के खर्च में बदलाव को देखते हुए जरूरत पड़ने पर बढ़ाई जानी चाहिए।

ईएसी-पीएम ने अपनी रिपोर्ट में महाराष्ट्र की माझी लाडकी बहिन योजना और ओडिशा की सुभद्रा योजना का अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया कि इन योजनाओं से महिलाओं की बचत बढ़ी, घरेलू खर्च में मदद मिली और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई।

खामेनेई की अंतिम यात्रा शियाओं के धार्मिक शहर कोम पहुंची

» लगातार दूसरे दिन लाखों लोग सड़कों पर मौजूद

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को शियाओं के प्रमुख धार्मिक शहर कोम में निकाली जा रही है। तेहरान के बाद यहां भी लगातार दूसरे दिन लाखों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे हैं। खामेनेई और उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के पार्थिव शरीर को जमकरान मस्जिद लाया गया, जहां आयतुल्ला जवादी अमोली ने जनाजे की नमाज अदा कराई। मस्जिद परिसर और आसपास की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। ड्रोन फुटेज में पूरा इलाका लोगों से खचाखच भरा दिखाई दिया। कोम शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई ने अपने शुरुआती धार्मिक जीवन में यहीं इस्लामी शिक्षा हासिल की थी। इसलिए उनकी अंतिम यात्रा का यह पड़ाव खास माना जा रहा है।

8 जुलाई को खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक के नजफ और कर्बाला ले जाया जाएगा। यहां इराक के शिया समुदाय के अंतिम दर्शन के लिए जनाजे का जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद ईरान में उनके गृह नगर मशहद ले जाया जाएगा, जहां गुरुवार को इमाम रजा दरगाह परिसर में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

इराक के नजफ में खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां तेज: खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले इराक के नजफ शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और अंतिम विदाई से जुड़े धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं। नजफ शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के चलते यहां भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

जमकरान मस्जिद में जनाजे की नमाज हुई

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

» 18 साल पहले 70 मिनट में 21 धमाके हुए थे

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने सभी 38 दोषियों की फांसी की सजा और 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी। साथ ही, कोर्ट ने 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश दिया।

2022 में सुनाई गई थी सजा: अहमदाबाद की स्पेशल कोर्ट ने फरवरी 2022 में इस मामले में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने अपील खारिज कर दी।

क्या था अहमदाबाद बम विस्फोट मामला? 26 जुलाई 2008 को 70 मिनट में हुए 21 बम धमाकों ने अहमदाबाद को दहला दिया था। शहर भर में हुए इन धमाकों में 56 लोगों की जान गई, जबकि 200 लोग घायल हुए थे। धमाकों की जांच-पड़ताल कई साल चली और करीब 80 आरोपियों पर मुकदमा चला।

लॉकडाउन के दौरान चली थी सुनवाई: अहमदाबाद विस्फोट के बाद करीब 12 साल तक इस मामले की जांच और सुनवाई चली थी। लॉकडाउन के दौरान भी इस मामले की सुनवाई लगातार चलती रही। देश में पहली बार एकसाथ 49 आरोपियों को आतंकवाद के गुनाह में दोषी ठहराया गया था।

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला: 11 को उम्रकैद

केस से जुड़े 6000 डॉक्यूमेंट्स कोर्ट में पेश किए गए थे... 2009 में ट्रायल तब शुरू हुए, जब करीब 35 केसों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। अहमदाबाद में ब्लास्ट वाली लोकेशन में और सूरत में जहां पुलिस को बम मिले, वहां स्नढ्ढक्रदर्ज कराई गईं। लंबे चले मुकदमे में कई मोड़ आए। प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल के सामने 1,100 से ज्यादा गवाहों से पूछताछ की थी। केस से जुड़े 6000 डॉक्यूमेंट्स कोर्ट में पेश किए गए थे। 3,47,800 पेज की 547 चार्जशीट तैयार की गई थी। अकेले प्राइमरी चार्जशीट ही 9800 पेज की रही। जांच के दौरान पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (IM) और बैन किए गए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (SIMI) से जुड़े लोगों ने ब्लास्ट कराए थे।

केतन हत्याकांड का सोनम रघुवंशी कनेक्शन गूगल पर क्या सर्च कर रही थी सिया मोबाइल ने खोले कई राज

पुणे, एजेंसी। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल की हत्याओं के बीच अजीब समानताएं देखने को मिल रहीं हैं। दोनों ही मामलों में, पीड़ितों को उनके पार्टनर ने पहाड़ की चोटी से नीचे फेंक दिया। जांचकर्ताओं का मानना है कि सिया गोयल और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी ने शायद सोनम रघुवंशी द्वारा अपने पति की हत्या के लिए बनाई गई योजना से सबक लिया होगा।

केतन और राजा के केस में मिली समानता: हालांकि दोनों मामलों में समानताएं हैं, लेकिन पुलिस का मानना है कि सिया गोयल ने सोनम रघुवंशी की गलतियों से सीखा कर उससे बेहतर प्लान बनाया। बेहतर इंतजाम किए और मजबूत 'अलीबी' (घटना के समय कहीं और होने का सबूत) तैयार किया, जिससे पुलिस के लिए इस मामले को सुलझाना मुश्किल हो गया। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उन्हें अचानक एक अहम सुराग मिला। 'स्ट्रीम ऑफ कॉन्शियसनेस' शैली वाले उपन्यासों की तरह, जांचकर्ताओं को आरोपी के जुर्म कबूलने तक पहुँचने के लिए कई झूठी दलीलों और बहानों की परतों को हटाना पड़ा।

हालांकि पुलिस कस्टडी में किए गए कबूलनामे की कानूनी अहमियत कम होती है, लेकिन हत्या की जांच में इससे सबूत जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

सिया के दिमाग में क्या चल रहा था: वर्जीनिया वूल्फ के मशहूर 'स्ट्रीम ऑफ कॉन्शियसनेस' उपन्यास 'मिसेज डैलोवे' की कहानी कहने के अंदाज़ की तरह ही, पुलिस का कहना है कि हत्या की साजिश असल जिंदगी में ठीक वैसे ही रची गई जैसी सिया गोयल के दिमाग में चल रही थी। इसमें मुख्य किरदार यानी केतन अग्रवाल से शादी से बचने के लिए हत्या को ही एकमात्र रास्ता मानने वाली महिला के मन के विचारों और बाहरी हकीकत के बीच लगातार बदलाव होता रहा। जब पूछा गया कि क्या सिया गोयल की सोच आपराधिक थी, तो जांच से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, 'यह हताशा में किया गया अपराध था। निजी रिश्तों और उसकी सोच ने उसे इस नतीजे पर पहुंचाया कि यही इकलौता रास्ता है। परिवारों के बीच लेन-देन की बात ने भी उसके फैसले में भूमिका निभाई।

सोनम रघुवंशी केस से ली थी ट्रेनिंग

पुलिस को यह भी लगता है कि चेतन और सिया ने हत्या का प्लान बनाते समय बनाते समय पूरी रिसर्च की थी। उन्होंने राजा रघुवंशी हत्याकांड से जुड़ी खबरों को भी पढ़ा था; बता दें राजा रघुवंशी हत्याकांड की साजिश उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने रची थी। हालांकि राजा रघुवंशी की हत्या के बाद उनकी लाश को एक सुनसान रास्ते पर चट्टान से नीचे फेंक दिया गया था, लेकिन इस मामले की डिटेल्स अलग हैं। पुलिस के मुताबिक सिया और चेतन, दोनों ने मिलकर केतन को चट्टान से नीचे धकेला था। यह उनकी योजना का हिस्सा था, क्योंकि अगर सिया अकेले उसे धक्का देती, तो शायद उसमें इतनी ताकत नहीं होती कि वह पक्का कर सके कि वह नीचे खाई में गिरे।

सिया गूगल पर क्या सर्च कर रही थी

पुलिस के मुताबिक, सिया गोयल के पास से ज़ब्त किए गए मोबाइल फोन की ब्राउजिग हिस्ट्री से पता चलता है कि उसने मेघालय में हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड की डिटेल्स देखी थीं। पुलिस को यह भी पता चला है कि उसने यह भी देखा था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं की पिटाई होती है और महिला कैदियों के क्या अधिकार हैं? गोयल के घर से जब्त किया गया दूसरा मोबाइल फोन उसकी योजना और उसे अंजाम देने के बारे में और सुराग दे सकता है। इस डिवाइस को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। इस मामले में राजा रघुवंशी की मां, उमा रघुवंशी ने कहा कि सिया गोयल के अपराध ने उन्हें अपने बेटे और सोनम की याद दिला दी। उनका कहना है कि दोनों आरोपियों में से किसी ने भी अपने किए पर कोई पछतावा नहीं जताया है। उमा रघुवंशी ने कहा कि सोनम रघुवंशी का जमानत पर बाहर होना ऐसे मामलों में आरोपियों का हौसला बढ़ा सकता है, जबकि शिलांग में राजा रघुवंशी हत्याकांड का ट्रायल चल रहा है।

आपसी झगड़े में माता-पिता ने की 11 महीने के मासूम की हत्या, फिर रची एक्सीडेंट की झूठी कहानी

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने एक 11 महीने की बच्ची की हत्या के आरोप में उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि आरोपियों ने अपनी ही बच्ची की हत्या करने के बाद इसे एक हादसे का रूप देने की कोशिश की थी। पुलिस के अनुसार, बच्ची के पिता शेकप्पा ने शुरुआत में पुलिस के पास जाकर दावा किया था कि उसकी पत्नी विजयलक्ष्मी स्तनपान कराते समय सो गई थी और इसी दौरान बच्ची बिस्तर से नीचे गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले को शुरुआत में पुलिस ने अप्राकृतिक मौत के तौर पर दर्ज किया था। यह घटना 9 जून को पूर्वी बेंगलुरु के अवालाहल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कितागनूर गांव में हुई थी। शेकप्पा ने अपनी शिकायत में बताया था कि बच्ची को तुरंत ईस्ट पॉइंट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी आधार पर अधिकारियों ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुला राज: 22 जून को प्राप्त हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उसके बाद की जांच ने माता-पिता की गढ़ी हुई कहानी की पोल खोल दी। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि मासूम की मौत अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव और कई अंदरूनी चोटों के कारण सांस लेने में हुई तकलीफ से हुई है। बच्ची के चेहरे, छाती, पैरों और निजी अंगों पर चोट के कई निशान पाए गए। जांचकर्ताओं ने घटनास्थल का मुआयना करने पर पाया कि जिस बिस्तर से बच्ची के गिरने का दावा किया गया था, उसकी ऊंचाई केवल दो फीट थी। पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि इतनी कम ऊंचाई से गिरने पर शरीर पर ऐसी गंभीर चोटें आना नामुमकिन है।

पति-पत्नी के झगड़े में गई मासूम की जान: विस्तृत जांच में इस खौफनाक वारदात का सच सामने आया। 9 जून की दोपहर को जब शेकप्पा लंच के लिए घर लौटा, तो उसका अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी के साथ तीखा विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, इस झगड़े के दौरान जब बच्ची रोने लगी, तो मां विजयलक्ष्मी ने उसे लात मार दी। इसके बाद गुस्से में आगबबूला होकर पिता शेकप्पा ने बच्ची को उठाया और पूरी ताकत से जमीन पर पटक दिया, जिससे बच्ची को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं।

मां का अवैध संबंध: पुलिस ने बताया कि गवाहों के दर्ज किए गए बयानों से पता चला है कि इस दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। गवाहों ने यह भी आरोप लगाया कि विजयलक्ष्मी का एक पड़ोसी के साथ अवैध संबंध था और वह अपनी बच्ची से बिल्कुल प्यार नहीं करती थी। मेडिकल सबूतों, गवाहों के बयानों और जांच में सामने आए सभी तथ्यों के आधार पर, अवालाहल्ली पुलिस ने बच्ची के पिता शेकप्पा और मां विजयलक्ष्मी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और धारा 3(5) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल इस मामले की आगे की जांच जारी है।

हिमाचल कैबिनेट बैठक 20 जुलाई को, क्या रहेगा मुख्य एजेंडा शिक्षक भर्ती और इंटरनेट पोर्टल्स पर भी आएगा फैसला

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक 20 जुलाई को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में होगी। इसमें राज्य के विकास, शिक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर निर्णय होने की संभावना है। सामान्य प्रशासन विभाग की कैबिनेट शाखा ने बैठक की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक का प्रमुख एजेंडा सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के नए नियम तय करना है।

नियुक्ति मानकों में बदलाव प्रस्तावित: सूत्रों के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नियुक्ति मानकों में बदलाव प्रस्तावित है। योग्य अभ्यर्थियों के चयन के लिए कड़े मानदंड तय किए जा सकते हैं, जिससे लंबे समय से चली आ रही विसंगतियों को दूर करने और हजारों शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

अपंजीकृत न्यूज पोर्टल पर कसेगा शिकंजा: मंत्रिमंडल बिना पंजीकरण संचालित हो रहे इंटरनेट मीडिया पोर्टल और चैनलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी विचार करेगा। सरकार ऐसे संचालकों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है, जो बिना आधिकारिक पंजीकरण के भ्रामक, सनसनीखेज या अशांति फैलाने वाली सामग्री प्रसारित करते हैं।

ब्लैकमेलिंग और अफवाहों पर रोक लगाने को होगा एक्शन: डिजिटल मीडिया के नाम पर ब्लैकमेलिंग और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए नए दिशा-निर्देश लागू किए जा सकते हैं। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत अनिवार्य पंजीकरण नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान भी किया जा सकता है।

रिश्वत मामले में शिलांग स्थित एनएचएआई अधिकारी और दो अन्य गिरफ्तार

शिलांग, एजेंसी। सीबीआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भारत (एनएचएआई) के एक परियोजना निदेशक (शिलांग) और दो निजी व्यक्तियों को एक ठेकेदार से 12 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत ठेकेदार के 13.38 करोड़ रुपये के बकाया बिलों को मंजूरी देने के लिए मांगी गई थी। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि परियोजना निदेशक आनंद सिंह चौहान को पूर्वांचल बिल्डटेक के निदेशक मोहम्मद मतलेबुद्दीन अहमद की शिकायत पर सीबीआइ ने गिरफ्तार किया। सीबीआइ ने बताया कि चौहान के सहयोगी पुनीत को भी एक जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

करूर भगदड़ में सुप्रीम कोर्ट डीएमके की याचिका पर करेगा सुनवाई, तमिलनाडु सरकार के मंत्री पर गवाहों को प्रभावित करने का आरोप

चेन्नई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को द्रमुक द्वारा दायर एक याचिका को सात जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें आरोप लगाया गया है कि तमिलनाडु सरकार के मंत्री पिछले वर्ष के करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच में गवाहों को 'सक्रिय रूप से प्रभावित' कर रहे हैं।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और शील नागू की एक आंशिक कार्य दिवस बेंच ने वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की याचिका पर मंगलवार को मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमति दी, जो द्रमुक सचिव आरएस भारती की ओर से पेश हुए थे और उन्होंने तात्कालिक सुनवाई की मांग की। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, राज्य मंत्री आदव अरजुना और अन्य आरोपितों को मामले पर सार्वजनिक बयान देने से रोका जाए और सीबीआइ जांच के दौरान पीड़ितों के परिवारों के साथ उनके संपर्क को नियंत्रित किया जाए। अहमदी ने अदालत को बताया कि गवाहों को राज्य सरकार के मंत्रियों द्वारा 'सक्रिय रूप से प्रभावित' किया जा रहा है और उन्होंने आशंका व्यक्त की कि विजय का 10 जुलाई को करूर में पीड़ितों के परिवारों से मिलने का प्रस्तावित दौरा जांच को प्रभावित कर सकता है।

अहमदी ने प्रस्तुत किया, 'इस अदालत ने सीबीआइ जांच का आदेश दिया था। अब, कुछ आरोपित जो वर्तमान शासन में मंत्री हैं, गवाहों को सक्रिय रूप से प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। हमने आवेदन किया है।' खंडपीठ ने तब कहा, 'हम इसे कल सुनेंगे।' याचिका में उन रिपोर्टों का उल्लेख किया गया है जिनमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री करूर का दौरा करने वाले हैं ताकि मृतकों और घायलों के परिवारों को सरकारी आदेश, सहानुभूतिपूर्ण नियुक्तियां और अन्य लाभ वितरित किए जा सकें। याचिका में पिछले सप्ताह टीवीके विधायक आदव अरजुना ने एक सार्वजनिक बयान का भी उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि करूर घटना को लेकर 'एक हिसाब चुकता करना है' और पूर्व द्रमुक सरकार पर आरोप लगाया कि उसने करूर के लोगों को पुलिस के जरिये 'मार डाला '।

कार का दरवाजा खोला और कर दी मुक्कों की बारिश बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर भीड़ ने परिवार पर किया हमला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बिजी बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर कार के अंदर बैठे एक परिवार के ऊपर भीड़ ने हमला कर दिया। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। ये हमला हाईवे पर चल रही दूसरी कार के डैशकैम में रिकॉर्ड में रिकॉर्ड हो गया। वीडियो में हाईवे के बीचों-बीच कुछ लोगों का एक ग्रुप नीली कार की तरफ दौड़ते हुए दिखाई दे रहा है। फिर वे जबरदस्ती दरवाजा खोलते हैं और सबके सामने ड्राइवर की सीट पर बैठे आदमी पर ताबड़तोड़ मुक्के बरसाते हैं।

कार में महिला और बच्चे भी थे: कार में कम से कम 4 से 5 लोग सवार थे, जिनमें एक महिला और एक बच्चा भी शामिल था। भीड़ उस आदमी को पीटती रही। उनमें से कम से कम एक व्यक्ति पीड़ित को किसी ऐसी चीज से मारता हुआ देखा गया जो धातु की बनी लग रही थी।

कार से बाहर निकालकर भीड़ ने पीटा: थोड़ी देर बाद राहगीरों को हमला रोकने और बीच-बचाव करने की कोशिश करते देखा गया। वीडियो के आखिर में एक महिला हमला होने पर कार से बाहर निकलती है और भीड़ से रुकने की गुजारिश करती है। पीड़ित को कार से घसीटकर बाहर निकाला गया और भीड़ ने उसे पीटा।

पीछे से आ रही कार के डैशकैम में कैद हुई घटना: कथित हमले की असल वजह अभी पता नहीं चल पाई है। बताया जा रहा है कि यह घटना एक्सप्रेसवे के मद्दुर इलाके में हुई और परिवार की कार के पीछे चल रही एक गाड़ी के डैशकैम में यह घटना रिकॉर्ड हो गई।

होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान तट के पास टैंकर पर हमला

दुबई, एजेंसी। ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार सुबह एक टैंकर पर हमला हुआ। ब्रिटिश सेना ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स सेंटर (चरुझह्र) ने बताया कि टैंकर को जलडमरूमध्य में ओमान के लिमाह के पास निशाना बनाया गया।वहीं, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने दावा किया है कि जहाज ने पहले जारी की गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, जिसके बाद उस पर कार्रवाई की गई। फिलहाल जहाज की स्थिति, नुकसान या किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सेंटर के मुताबिक, यह हमला तब हुआ जब टैंकर जलडमरूमध्य से दक्षिण की ओर गल्फ ऑफ ओमान की तरफ जा रहा था। प्रोजेक्टाइल जहाज के बाईं ओर (पोर्ट साइड) लगा।

इस हमले से पर्यावरण पर कोई नुकसान नहीं हुआ है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है, हालांकि हाल के दिनों में ओमान के पास के रास्ते से गुजरने वाले कम से कम दो अन्य जहाजों पर हुए हमलों के लिए ईरान पर शक जताया गया है। हालांकि, अमेरिका इस जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने के लिए ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ना चाहता है। अमेरिका का उद्देश्य ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना और 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध को हमेशा के लिए समाप्त करना है।

लेकिन पहले हुए ऐसे हमलों के बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की थी, जिसके बाद ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर हमले किए। इससे तनाव बढ़ने का खतरा रहता है। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिलहाल रुकी हुई है। यह बातचीत ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के दफन होने तक रुकी रहेगी। खामेनेई युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे। उनके अंतिम संस्कार में शामिल लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौत की सजा देने की मांग कर रहे हैं। अधिकारी खामेनेई के शव को रात में शिया मदरसा शहर कोम ले गए, जहां मंगलवार को उन्हें सम्मानित किया जाएगा। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि यह हमला ओमान के लीमा के पास हुआ। टैंकर जलडमरूमध्य से बाहर दक्षिण की ओर ओमान की खाड़ी की तरफ जा रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वस्तु टैंकर के बाई ओर आकर टकराई। इस हमले से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पिछले गुरुवार को चेतावनी दी थी कि इस जलमार्ग से गुजरने वाले सभी तेल टैंकरों को उसके स्वीकृत रास्तों का ही इस्तेमाल करना होगा।

ईरान ने कहा था कि नियमों का पालन न करने, रास्ते से भटकने या ईरान के नौवहन नियमों की अनदेखी करने पर सेना तुरंत और कड़ी कार्रवाई करेगी।

ट्रंप का दबाव या रूस का खतरा रक्षा बजट बढ़ाने पर नाटो का सख्त संदेश, कौन से देशों की बढ़ेंगी मुश्किलें

अंकारा, एजेंसी। दुनिया में बढ़ते सुरक्षा संकट और बदलते भू-राजनीतिक माहौल के बीच नाटो ने अपने सदस्य देशों को स्पष्ट संदेश दिया है। तुर्किये की राजधानी अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से पहले संगठन के महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि सभी सदस्य देश रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए स्पष्ट, ठोस और भरोसेमंद योजना पेश करें। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी लगातार यूरोपीय सहयोगियों से अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद उठाने और रक्षा बजट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नाटो का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन मंगलवार से अंकारा में शुरू होगा।

इस बैठक में 32 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। पिछले वर्ष सदस्य देशों ने रक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कुल पांच प्रतिशत खर्च करने के लक्ष्य पर सहमति जताई थी। इसमें 3.5 प्रतिशत राशि सीधे रक्षा बजट पर और 1.5 प्रतिशत सड़क, पुल, बंदरगाह जैसी सैन्य ढांचागत सुविधाओं के विकास पर खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि संकट के समय सेना और सैन्य उपकरणों की तेज आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

ट्रंप का दबाव या रूस का खतरा: नाटो देशों पर रक्षा बजट बढ़ाने का दबाव दो बड़े कारणों से बढ़ा है। पहला, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में सुरक्षा खतरे पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गए हैं और नाटो को अपनी सैन्य तैयारियां मजबूत करनी पड़ रही हैं। दूसरा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा के लिए अधिक खर्च करना चाहिए और अमेरिका पर निर्भरता कम करनी चाहिए। ट्रंप का मानना है कि सुरक्षा का पूरा बोझ अमेरिका अकेले नहीं उठा सकता। ऐसे में रूस से बढ़ते खतरे और ट्रंप के दबाव, दोनों ने नाटो सदस्य देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने की दिशा में तेजी से कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया है।

क्या सभी देश पांच प्रतिशत रक्षा खर्च के लक्ष्य से सहमत: हालांकि सभी सदस्य देश इस लक्ष्य तक नहीं पहुंचे हैं। स्पेन ने लक्ष्य का समर्थन तो किया है, लेकिन उसका कहना है कि वह पांच प्रतिशत खर्च किए बिना भी नाटो की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। वहीं कई देश अब तक पुराने 2 प्रतिशत जीडीपी रक्षा खर्च के लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पाए हैं। ऐसे में नाटो नेतृत्व चाहता है कि हर सदस्य देश यह बताए कि वह तय लक्ष्य तक कब और कैसे पहुंचेगा।

अगर कोई देश लक्ष्य पूरा नहीं करेगा तो क्या होगा: मार्क रुटे ने कहा कि जिन देशों के पास अभी तक स्पष्ट योजना नहीं है, उन्हें मनाने के तरीके नाटो के पास मौजूद हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसे देशों के खिलाफ क्या कदम उठाए जा सकते हैं। दूसरी ओर, नाटो में अमेरिका के राजदूत मैथ्यू व्हिटेकर ने हाल ही में कहा था कि ट्रंप चाहते हैं कि सभी सहयोगी देश तत्काल पांच प्रतिशत रक्षा खर्च की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले देशों के लिए अमेरिका के पास अलग रणनीति हो सकती है।

रक्षा खर्च बढ़ाने पर ट्रंप इतना जोर क्यों दे रहे: ट्रंप लंबे समय से नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। उनका तर्क है कि यूरोप की सुरक्षा का सबसे बड़ा बोझ अमेरिका अकेले नहीं उठा सकता। उन्होंने पहले भी उन देशों की आलोचना की है।

कैसे मारे गए नेतन्याहू के भाई 102 बंधकों को छुड़ाने वाला सबसे बड़ा ऑपरेशन

50 साल बाद पायलट ने सुनाई कहानी

तेल अवीव, एजेंसी। दुनिया के सबसे चर्चित बंधक बचाव अभियानों में शामिल 'ऑपरेशन एंटेबे' या 'ऑपरेशन थंडरबोल्ट' को 50 साल पूरे हो गए हैं। वर्ष 1976 में इस्राइल ने युगांडा के एंटेबे एयरपोर्ट पर हजारों किलोमीटर दूर जाकर ऐसा सैन्य अभियान चलाया, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। इस ऑपरेशन में 102 बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया था, लेकिन अभियान का नेतृत्व कर रहे विशेष बल के कमांडर और मौजूदा इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बड़े भाई योनातान 'योनी' नेतन्याहू शहीद हो गए थे। अब इस अभियान के प्रमुख पायलट ब्रिगेडियर जनरल जोशुआ शानी ने 50 साल बाद इससे जुड़ी कई अहम बातें साझा की हैं। ऑपरेशन की 50वीं वर्षगांठ पर एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में जोशुआ शानी ने कहा कि उन्हें आज भी उस मिशन का हर पल याद है। उनके मुताबिक, सरकार की औपचारिक मंजूरी मिलने से पहले ही इस्राइली वायुसेना ने संभावित सैन्य अभियान की तैयारी शुरू कर दी थी। उनकी सी-130 हरक्यूलिस विमान स्क्वाड्रन ने करीब 4000 किलोमीटर लंबे मार्ग, ईंधन, रडार से बचने की रणनीति और उपलब्ध खुफिया जानकारियों का अध्ययन किया। इसी तैयारी की वजह से सरकार के सामने बातचीत के अलावा सैन्य कार्रवाई का विकल्प रखा जा सका।

बंधक संकट की शुरुआत कैसे हुई: यह पूरा घटनाक्रम तब शुरू हुआ, जब तेल अवीव से पेरिस जा रहे एयर फ्रांस के एक विमान का फलस्तीनी और जर्मन आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया। विमान को युगांडा के एंटेबे एयरपोर्ट ले जाया गया, जहां उस समय ईदी अमीन का शासन था। आतंकवादियों ने गैर-इस्राइली यात्रियों को छोड़ दिया, लेकिन 100 से अधिक इस्राइली और यहूदी बंधकों को अपने कब्जे में रखा। इससे इस्राइल के सामने दो विकल्प थे। पहला, आतंकवादियों की मांगें मान ली जाएं। दूसरा, सैन्य कार्रवाई कर बंधकों को छुड़ाया जाए।

पीएमजीएसवाई के जीएम के खिलाफ ठेकेदारों का अनिश्चितकालीन धरना, कमीशनखोरी और भुगतान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के महाप्रबंधक की कार्यशैली से नाराज ठेकेदारों ने मंगलवार से कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है ठेकेदारों का आरोप है कि विभागीय स्तर पर मनमानी, कमीशनखोरी और भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इससे पहले सोमवार को ठेकेदारों ने सांकेतिक धरना देकर अपनी मांगों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। ठेकेदारों ने बताया कि पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक उमेश साहू के सतना पदस्थ होने के बाद से विभागीय कामकाज में कई समस्याएं सामने आ रही हैं संविदाकार गौरव सिंह ने आरोप लगाया कि कार्यालय में कमीशनखोरी बढ़ गई है और ठेकेदारों पर दबाव बनाने के लिए माप पुस्तिका (एमबी) में कटौती की जाती है उनका कहना है कि इससे निर्माण कार्यों की लागत प्रभावित हो रही है और ठेकेदार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं संविदाकार अनिल सिंह परिहार ने कहा कि जब तक महाप्रबंधक का स्थानांतरण नहीं किया जाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा उन्होंने बताया कि इस संबंध में भोपाल स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों से भी शिकायत की गई है लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है इसी कारण ठेकेदारों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। धरना शुरू करने से पहले ठेकेदारों ने पीएमजीएसवाई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र सौंपकर आठ सूत्रीय मांगें रखी हैं इसमें सबसे प्रमुख मांग पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक को सतना से हटाने की है इसके अलावा विभाग में कथित कमीशनखोरी समाप्त करने, ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने और स्थानीय ठेकेदारों को समान अवसर उपलब्ध कराने की मांग की गई है। ठेकेदारों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी भुगतान समय पर नहीं किया जाता उन्होंने मांग की है कि रनिंग बिल और पूर्ण किए गए कार्यों का भुगतान निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए उनका कहना है कि बजट की कमी का हवाला देकर भुगतान रोकना उचित नहीं है, क्योंकि इससे ठेकेदारों के साथ-साथ मजदूरों और निर्माण से जुड़े अन्य लोगों पर भी आर्थिक असर पड़ता है।

निर्माण सामग्री और बाजार दर के अनुसार रेट संशोधन की मांग: ठेकेदारों ने यह भी मांग की है कि बाजार में बढ़ती निर्माण सामग्री की कीमतों को देखते हुए विभागीय दरों में संशोधन किया जाए। उनका कहना है कि वर्तमान दरों पर गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण करना कठिन हो रहा है यदि समय-समय पर बाजार दर के अनुसार रेट में बदलाव किया जाए, तो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बेहतर रखी जा सकती है।

सड़कों के नुकसान और अधिकारियों की आपत्तियों का मुद्दा: ठेकेदारों ने जल संवर्धन योजनाओं और नहर निर्माण कार्यों के दौरान भारी वाहनों एवं मशीनों के आवागमन से ग्रामीण सड़कों को होने वाले नुकसान का मुद्दा भी उठाया है उनका कहना है कि कई बार अन्य विभागों के कार्यों के कारण सड़कें खराब हो जाती हैं लेकिन इसकी जिम्मेदारी भी ठेकेदारों पर डाल दी जाती है और भुगतान में कटौती की जाती है उन्होंने मांग की है कि निर्माण कार्यों के दौरान अधिकारियों द्वारा लगाई जाने वाली अनावश्यक आपत्तियों पर रोक लगाई जाए साथ ही ठेकेदारों, उनके कर्मचारियों और मशीनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए ठेकेदारों ने कहा कि उनकी मांगें किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि विभागीय व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता लाने के लिए हैं उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। फिलहाल ठेकेदार पीएमजीएसवाई कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हुए हैं मामले में विभागीय अधिकारियों की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है अब सभी की नजरें प्रशासन और विभाग के अगले कदम पर टिकी हैं।

मिशन कर्मयोगी के तहत 31 दिसंबर तक होंगे 'कर्मयोगी कर्तव्य' प्रशिक्षण, आईगोट पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लोकसेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और नागरिक केंद्रित प्रशासन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत 'कर्मयोगी कर्तव्य' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि सभी प्रशिक्षण कार्यशालाएं 31 दिसंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाएं। कलेक्टर ने बताया कि मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य लोकसेवकों में सेवा भावना, जिम्मेदारी और जनहित के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है इसके अंतर्गत अधिकारियों और कर्मचारियों को आईगोट पोर्टल के माध्यम से डिजिटल लर्निंग और व्यवहारगत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशासनिक दक्षता, कार्य संस्कृति और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विषयों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यशाला की अवधि लगभग 4 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है इसमें शामिल होने वाले सभी प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों का आईगोट पोर्टल पर पंजीयन एवं सक्रिय होना अनिवार्य रहेगा पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी जिससे लोकसेवक अपनी क्षमता और कार्यशैली में सुधार कर सकेंगे। कलेक्टर ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि जिला, तहसील और विकासखंड स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कार्ययोजना शीघ्र तैयार की जाए इसके लिए कार्यालयों में कार्यरत क्लास-1, क्लास-2, क्लास-3 और संविदा लोकसेवकों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में तैयार कर एक सप्ताह के भीतर एनआईसी, सीधी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी एक्सेल फॉर्मेट के साथ हार्ड कॉपी में भी उपलब्ध करानी होगी, ताकि प्रशिक्षण की प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जा सके कलेक्टर ने कहा कि समय पर जानकारी उपलब्ध होने से सभी लोकसेवकों का आईगोट पोर्टल पर पंजीयन जल्द पूरा हो सकेगा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 350 से अधिक लोगों की समस्याएं, समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 350 से अधिक आवेदकों की शिकायतें और मांगें सुनीं उन्होंने सभी प्रकरणों का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का निपटारा केवल औपचारिक प्रक्रिया न रहे बल्कि पात्र आवेदकों को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है उनमें तत्काल कार्रवाई की जाए, जबकि जटिल प्रकरणों की निर्धारित समय-सीमा में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ लिया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्या का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और तय समय के भीतर उनकी समस्याओं का समाधान हो। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों पर अधिकारियों ने आवेदकों से सीधे चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की और नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से 54 पथ विक्रेताओं को मिला ऋण, स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहरी पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत मंगलवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा सीधी में मेगा ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश और मुख्य नगर पालिका अधिकारी महमूद हसन के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 54 पात्र पथ विक्रेताओं को ऋण स्वीकृत कर वितरित किया गया। शिविर में हितग्राहियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, ऋण प्रक्रिया, समय पर भुगतान के लाभ और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य छोटे व्यापारियों और सड़क किनारे व्यवसाय करने वाले पथ विक्रेताओं को आसान ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। एसबीआई मुख्य शाखा के शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार राय ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऋण राशि का सही उपयोग कर व्यवसाय को मजबूत किया जा सकता है उन्होंने समय पर ऋण अदायगी के महत्व को समझाते हुए बताया कि नियमित भुगतान करने वाले हितग्राहियों को भविष्य में अधिक ऋण सीमा का लाभ मिल सकता है साथ ही उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत उपलब्ध ब्याज अनुदान की जानकारी भी दी।

सीधी जिले में अब तक 137.7 मिमी औसत बारिश दर्ज, पिछले साल की तुलना में 187.8 मिमी कम वर्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मानसून की स्थिति को लेकर भू-अभिलेख एवं भू-संसाधन प्रबंधन विभाग ने वर्षा के आंकड़े जारी किए हैं। जिले में 7 जुलाई तक कुल 137.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है वहीं मंगलवार 7 जुलाई को जिले में 51.6 मिलीमीटर औसत बारिश रिकॉर्ड की गई इस दौरान सिहावल तहसील में सबसे अधिक 99.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई तहसीलवार जारी आंकड़ों के अनुसार 7 जुलाई को गोपद बनास में 66.4 मिलीमीटर, मझौली में 58.0 मिलीमीटर, चुरहट में 40.0 मिलीमीटर, बहरी में 38.4 मिलीमीटर, रामपुर नैकिन में 31.5 मिलीमीटर तथा कुसमी में 27.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। विभाग के अनुसार 1 जून से 7 जुलाई 2026 तक जिले में कुल 137.7 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है इस अवधि में सिहावल तहसील में सर्वाधिक 191.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है इसके अलावा मझौली में 162.0 मिलीमीटर, कुसमी में 159.2 मिलीमीटर, गोपद बनास में 139.6 मिलीमीटर, बहरी में 114.4 मिलीमीटर, चुरहट में 108.3 मिलीमीटर तथा रामपुर नैकिन में 88.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 325.5 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई थी इसकी तुलना में इस वर्ष अब तक 187.8 मिलीमीटर कम बारिश हुई है कम वर्षा के चलते किसानों और कृषि गतिविधियों पर भी असर पड़ने की संभावना बनी हुई है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम: असाक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने संस्था प्रमुखों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप जिले में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के असाक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने के उद्देश्य से उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई कुसमी विकासखंड में आयोजित इस प्रशिक्षण में संस्था प्रमुखों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम के प्रभावी संचालन एवं असाक्षर व्यक्तियों को साक्षरता से जोड़ने के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जन शिक्षा केंद्र जूरी, कुसमी एवं मझिगवां के अंतर्गत आने वाले सभी संस्था प्रमुखों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए किया गया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विकासखंड क्षेत्र में ऐसे वयस्कों की पहचान करना है जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं या शिक्षा की निर्धारित आयु पार कर चुके हैं ऐसे लोगों को मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से जोड़कर उन्हें नियमित अध्ययन के माध्यम से शिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला में प्रतिभागियों को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के विभिन्न उद्देश्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई प्रशिक्षण में बताया गया कि केवल पढ़ना-लिखना और गणना करना ही नहीं, बल्कि वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, कानूनी जानकारी, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, परिवार कल्याण, बच्चों की देखभाल एवं शिक्षा, आपदा प्रबंधन और व्यावसायिक कौशल जैसे जीवन उपयोगी विषयों को भी साक्षरता अभियान में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे वयस्क, जिनके पास साक्षरता का कोई प्रमाण-पत्र नहीं है या जिनकी प्रारंभिक शिक्षा अधूरी रह गई है उन्हें इस कार्यक्रम के माध्यम से साक्षर बनाकर प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा साथ ही इच्छुक शिक्षार्थियों को आगे की शिक्षा जारी रखने और कक्षा पांचवीं स्तर की परीक्षा में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा। प्रशिक्षण के दौरान बीआरसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक असाक्षर व्यक्ति का सर्वेक्षण गंभीरता से किया जाए उन्होंने नियमित अध्ययन केंद्रों का संचालन सुनिश्चित करने और सभी पात्र व्यक्तियों को साक्षरता अभियान से जोड़ने पर जोर दिया।

हर छात्र कॉलेज तक अभियान, कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण में विद्यार्थियों को दी उच्च शिक्षा की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने और उन्हें कॉलेज शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय, दिव्यागवा, जिला रीवा द्वारा 'कॉलेज चलो अभियान' के द्वितीय चरण के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में कॉलेज चलो अभियान मेले का आयोजन किया गया अभियान का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों, प्रवेश प्रक्रिया और छात्र हितैषी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति योजनाओं, करियर मार्गदर्शन, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों और व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गसाथ ही विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों, पुस्तकालय सुविधा, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा मध्यप्रदेश शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। महाविद्यालय की टीम ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

हाईकोर्ट वीडियो से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार, खुद को सुप्रीम कोर्ट का लीगल एडवाइजर बताकर किया था वायरल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जबलपुर हाईकोर्ट की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के वीडियो से छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और खुद को सुप्रीम कोर्ट का लीगल एडवाइजर बताने वाले युवक को सिंगरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है बैढ़न थाना पुलिस ने मंगलवार को पिपराझापी निवासी 26 वर्षीय अमित कुमार तिवारी को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार मामला करीब चार माह पुराना है।

13 साल से सड़क का इंतजार, कलेक्ट्रेट गेट पर दंडवत लेटकर सरपंच पति ने जताया विरोध; प्रशासन ने दिया कार्रवाई का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के ग्राम काम महेला, ओंकवालाडांड़ और पोस्ट निवारा के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी सड़क की मांग मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन के बाद चर्चा में आ गई सड़क निर्माण नहीं होने से नाराज सरपंच पति संजय कुमार वर्मा कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर दंडवत लेट गए। उनके इस अनोखे विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर ज्ञापन लिया। अधिकारियों ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि गांव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और तिलैया मार्ग से जोड़ने वाली संपर्क सड़क का निर्माण लगभग 13 वर्ष पहले स्वीकृत किया गया था इसके बावजूद आज तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मांग को लेकर वे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रहे हैं लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो जाती है कच्चा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे गांव के लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है सबसे अधिक समस्या स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों को होती है कई बार आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए और इसकी समय-सीमा सार्वजनिक की जाए उन्होंने यह भी मांग रखी कि जब तक सड़क का स्थायी निर्माण नहीं होता तब तक ग्रामीणों के आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए ताकि बरसात के दिनों में लोगों को परेशानी न उठानी पड़े। सरपंच सुमित्रा देवी वर्मा ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीण लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं उन्होंने कहा कि हर बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मिलने पर आश्वासन दिया गया लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ ग्रामीणों की लगातार बढ़ती परेशानी को देखते हुए मजबूरी में विरोध का रास्ता अपनाना पड़ा। वहीं सरपंच पति संजय कुमार वर्मा ने कहा कि उन्होंने कई बार सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिए लेकिन सुनवाई नहीं हुई उन्होंने बताया कि दंडवत लेटकर विरोध करने का उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं बल्कि प्रशासन का ध्यान गांव की गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना है। उनकी मांग केवल इतनी है कि ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सके और सड़क निर्माण जल्द शुरू हो। प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों का ज्ञापन लिया और मामले को संबंधित विभाग के माध्यम से जांच कराने का आश्वासन दिया।

भुईमाड़ थाना परिसर में प्रधान आरक्षक पर लाठी से हमला, सिर में लगे 8 टांके; आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के भुईमाड़ थाना परिसर में सोमवार दोपहर एक युवक ने प्रधान आरक्षक पर लाठी से हमला कर दिया हमले में प्रधान आरक्षक बलबीर निखरे गंभीर रूप से घायल हो गए उनके सिर में गहरी चोट आई जिसके बाद उपचार के दौरान सिर पर आठ टांके लगाए गए पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे की है प्रधान आरक्षक बलबीर निखरे थाना प्रभारी कक्ष में अन्य पुलिसकर्मियों के साथ विभागीय कार्य कर रहे थे इसी दौरान थाना क्षेत्र के गैवटा निवासी 22 वर्षीय ओमप्रकाश दुबे लाठी लेकर थाना परिसर पहुंचा उसने थाना प्रभारी कक्ष के बाहर लगी खिड़की पर डंडे से प्रहार करना शुरू कर दिया और गाली-गलौज करने लगा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने युवक को समझाने का प्रयास किया इसी दौरान शोर सुनकर प्रधान आरक्षक बलबीर निखरे बाहर आए आरोप है कि युवक ने पहले उनके पैर पर और फिर सिर पर लाठी से हमला कर दिया अचानक हुए हमले से थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई अन्य पुलिसकर्मियों ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया घायल प्रधान आरक्षक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिर में आठ टांके लगाए गए बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

विश्वास बहाली जरूरी:पारदर्शिता हेतु कठोर फैसले लेने से न चूके ट्रस्ट

संपादकीय

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी।

लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे में अब ट्रस्ट को कठोर फैसले लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखानी चाहिए। निस्संदेह, समय रहते यदि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने चंदा प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कड़ी निगाह रखी होती तो यह बड़ा विवाद न खड़ा होता। शुरुआती दौर में जब मामले की सुगबुगाहट सामने आई तो तभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। ऐसे में ट्रस्ट के पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं।

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत, स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं। एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है। दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुठाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएँ जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है। इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएँ न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है–लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना। यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएँ और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है–धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है। आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग– ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मर्यादाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहीं धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवादपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते। हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मर्यादा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहनी चाहिए।

कन्या भ्रूण हत्या पर निर्णायक प्रहार

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत को सदियों से मातृशक्ति की पूजा करने वाली सभ्यता माना जाता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक विज्ञान की प्रगति का कुछ लोगों ने दुरुपयोग कर कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय अपराध को जन्म दिया अल्ट्रासोनोग्राफी जैसी तकनीक, जिसका उद्देश्य गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की रक्षा करना था,उसे भ्रूण के लिंग का अवैध परीक्षण कर बेटियों के जन्म से पहले ही उनका जीवन समाप्त करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि संविधान, मानवाधिकार, महिला सम्मान और मानवता पर सीधा प्रहार है।इसी गंभीर सामाजिक चुनौती से निपटने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1994 में प्री-कन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) लागू किया,जिसे वर्ष 2003 में और अधिक कठोर बनाया गया। इस कानून का मूल उद्देश्य स्पष्ट है,गर्भधारण से पहले या गर्भावस्था के दौरान किसी भी प्रकार का लिंग चयन अथवा भ्रूण का लिंग बताना पूर्णतः प्रतिबंधित है। कानून केवल डॉक्टरों पर ही नहीं, बल्कि ऐसे पूरे तंत्र पर लागू होता है जो अवैध लिंग परीक्षण या कन्या भ्रूण हत्या में किसी भी रूप में शामिल हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि हाल के वर्षों में महाराष्ट्र सहित देश के अनेक राज्यों में सामने आए मामलों ने यह संकेत दिया है कि लिंग परीक्षण का अवैध कारोबार अब केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं रह गया है। इसमें दलाल,एजेंट,अवैध सोनोग्राफी केंद्र,नकली दस्तावेज तैयार करने वाले लोग तथा आर्थिक लाभ के लिए संगठित रूप से काम करने वाले गिरोह शामिल पाए जा रहे हैं।विशेष रूप से पुणे में सामने आए चर्चित प्रकरण ने पूरे राज्य और देश का ध्यान आकर्षित किया। विधानसभा में इस मामले का उल्लेख करते हुए कई जनप्रतिनिधियों ने इसे संगठित अपराध की श्रेणी में रखने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि केवल डॉक्टर को दंडित करने से समस्या का समाधान नहीं होगा,बल्कि पूरे अपराधी नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा।इसी पृष्ठभूमि में 1 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट संकेत दिए कि सरकार पीसीपीएनडीटी कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है।उन्होंने कहा कि यदि कोई गिरोह बार-बार अवैध लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराधों में शामिल पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध और अधिक कठोर कानूनी प्रावधानों के उपयोग की संभावनाओं का परीक्षण किया जाएगा। साथ ही संबंधित विभागों को निगरानी मजबूत करने, डिकॉय ऑपरेशन बढ़ाने, पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा दोषियों के विरुद्ध शीघ्र अभियोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साथियों, आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है। देश में हजारों पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्र संचालित हैं,जहाँ प्रत्येक जांच का रिकॉर्ड निर्धारित प्रारूप में रखना अनिवार्य है। रिकॉर्ड में हेराफेरी,गलत जानकारी देना अथवा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न कराना भी कानून के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सा तकनीक का उपयोग केवल चिकित्सकीय आवश्यकता के लिए हो,न कि भ्रूण के लिंग का पता लगाने के लिए।पीसीपीएनडीटीअधिनियम के तहत पहली बार अपराध सिद्ध होने पर तीन वर्ष तक का कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। पुनरावृत्ति की स्थिति में पाँच वर्ष तक की सजा तथा अधिक जुर्माना लगाया जा सकता है। संबंधित चिकित्सक का पंजीकरण निलंबित या रद्द किया जा सकता है तथा सोनोग्राफी केंद्र का लाइसेंस भी समाप्त किया जा सकता है। किंतु प्रश्न यह है कि यदि अपराध संगठित रूप से किया जा रहा हो, तो क्या इतनी सजा पर्याप्त है? यही प्रश्न आज राष्ट्रीय बहस का विषय बन चुका है।

साथियों, वास्तव में कन्या भ्रूण हत्या का प्रभाव केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता। इसका दुष्परिणाम पूरे समाज पर पड़ता है। जब बाल लिंगानुपात लगातार असंतुलित होता है,तब भविष्य में विवाह योग्य महिलाओं की संख्या घटती है, जिससे मानव तस्करी,जबरन विवाह महिलाओं के विरुद्ध अपराध और सामाजिक असंतुलन जैसी गंभीर समस्याएँ जन्म लेती हैं। इसलिए यह केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक न्याय, महिला अधिकार और सतत विकास का भी विषय है।भारत ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। अनेक राज्यों में बालिका शिक्षा, कन्या जन्म प्रोत्साहन और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए योजनाएँ चलाई जा रही हैं। किंतु यदि दूसरी ओर अवैध लिंग परीक्षण का कारोबार चलता रहेगा, तो इन सभी प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित हो जाएगी। इसलिए कानून और सामाजिक जागरूकता दोनों का समान महत्व है।

साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि अब समय आ गया है जब केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय अपराध की पूरी श्रृंखला को समाप्त करने की रणनीति अपनाई जाए।इसमें डिजिटल रिकॉर्ड, अल्ट्रासाउंड मशीनों की ट्रैकिंग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, अंतरराज्यीय समन्वय, वित्तीय लेन-देन की जांच और मुखबिर तंत्र को मजबूत करना जैसे उपाय अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। जिस प्रकार मादक पदार्थों की तस्करी, हवाला, मानव तस्करी और संगठित अपराध के विरुद्ध नेटवर्क आधारित कार्रवाई की जाती है, उसी प्रकार अवैध लिंग परीक्षण के नेटवर्क पर भी प्रहार आवश्यक है।यह भी ध्यान रखना होगा कि सभी चिकित्सकों को संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। देश के अधिकांश डॉक्टर कानून का पालन करते हैं और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतः कार्रवाई केवल उन्हीं व्यक्तियों और संस्थानों पर होनी चाहिए जो जानबूझकर कानून का उल्लंघन करते हैं। इससे ईमानदार चिकित्सा समुदाय का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा और दोषियों को कठोर दंड भी मिलेगा।

साथियों, न्यायिक प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। यदि गंभीर मामलों में वर्षों तक मुकदमे लंबित रहेंगे,तो कानून का भय कम हो जाएगा। इसलिए ऐसे मामलों के लिए विशेष अदालतें,समयबद्ध सुनवाई, वैज्ञानिक साक्ष्य और प्रभावी अभियोजन व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। दोषसिद्धि की दर बढ़ेगी तो अपराध स्वतःकम होंगे।राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय भी अत्यंत आवश्यक है। कईद्द बार अपराधी एक राज्य में पंजीकरण कर दूसरे राज्य में अवैध गतिविधियाँ संचालित करते हैं। ऐसे मामलों में साझा डिजिटल डेटाबेस, संयुक्त जांच और नियमित सूचना आदान-प्रदान से अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

साथियों, समाज की मानसिकता में परिवर्तन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कानून। जब तक पुत्र और पुत्री के बीच भेदभाव की सोच समाप्त नहीं होगी, तब तक केवल कानूनी कठोरता पर्याप्त नहीं होगी। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएँ, सामाजिक संगठन, मीडिया और जनप्रतिनिधियों को मिलकर यह संदेश देना होगा कि बेटी बोझ नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की समान भागीदार है।यदि महाराष्ट्र सरकार द्वारा विचाराधीन कठोर कदम प्रभावी रूप से लागू होते हैं और अन्य राज्य भी उनसे प्रेरणा लेते हैं, तो यह पूरे देश के लिए एक नया मॉडल बन सकता है। इससे स्पष्ट संदेश जाएगा कि कन्या भ्रूण हत्या केवल चिकित्सा नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध गंभीर अपराध है, जिसके लिए किसी भी प्रकार की नरमी स्वीकार नहीं की जाएगी।

अतः ग्राम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के कहा जा सकता है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक बेटी को जन्म लेने, जीने, शिक्षा प्राप्त करने और सम्मानपूर्वक आगे बढ़ने का समान अवसर मिलेगा। पीसीपीएनडीटी अधिनियम केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की बेटियों के जीवन, समानता और गरिमा की रक्षा का संवैधानिक संकल्प है। यदि इस कानून का कठोर, पारदर्शी और निष्पक्ष क्रियान्वयन आधुनिक तकनीक, सामाजिक जागरूकता और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था के साथ किया जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब अवैध लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराध इतिहास का विषय बन जाएंगे।

जींद से देश को मिलेगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। भारत अब जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाड्रोजन ट्रेन वाला आठवां देश बन जायेगा जिसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। हरियाणा के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह केवल एक नई रेल सेवा की शुरुआत नहीं, बल्कि भारत के हरित भविष्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक भी है।

सौरभ वार्ष्णेय

हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के साथ भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जिन्होंने स्वच्छ ईंधन आधारित रेल परिवहन को अपनाया है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस और स्वीडन जैसे विकसित देशों के बाद भारत हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अपनाने वाला आठवां देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगी।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन?

हाइड्रोजन ट्रेन ऐसी रेलगाड़ी होती है जो डीजल के स्थान पर हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग करती है। इसमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के माध्यम से बिजली उत्पन्न की जाती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा उत्पादन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता, बल्कि केवल जलवाष्प और पानी निकलता है। यही कारण है कि इसे पर्यावरण के अनुकूल और भविष्य की परिवहन प्रणाली माना जा रहा है।

विश्व भर में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए हाइड्रोजन ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रेलवे भी वर्ष 2030 तक नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसमें हाइड्रोजन ट्रेनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारतीय रेलवे के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में तैयार किए गए हैं। इस परियोजना का सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है, जिससे इसके सुरक्षित और प्रभावी संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ कम शोर उत्पन्न करती है। इसके संचालन से ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हरियाणा के विकास को मिलेगा नया आयाम

जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन का निर्णय हरियाणा के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इससे प्रदेश की औद्योगिक, आर्थिक और तकनीकी पहचान को नई मजबूती मिलेगी। रेलवे अवसंरचना के विकास से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ बढ़ेंगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

हरियाणा पहले से ही ऑटोमोबाइल, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है। अब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन प्रणाली के जुडने से राज्य आधुनिक तकनीक और हरित विकास का केंद्र बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

वर्तमान समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। परिवहन क्षेत्र कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत है। ऐसे में हाइड्रोजन आधारित रेल सेवाएं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेनें न केवल वायु प्रदूषण को कम करेंगी, बल्कि ध्वनि प्रदूषण में भी कमी लाएंगी। इनके व्यापक उपयोग से जीवाश्म ईंधनों की खपत घटेगी और ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा

हाइड्रोजन ट्रेन का सफल संचालन भारत की तकनीकी क्षमता और अनुसंधान कौशल का परिचायक है। आज भारत केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और आधुनिक समाधानों का निर्माता भी बनकर उभर रहा है। सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के बाद हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भारत की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोडने जा रही है।

यह पहल विश्व समुदाय को भी यह संदेश देती है कि भारत आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है।

जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ भारतीय रेलवे के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सतत विकास के भारत के संकल्प का प्रतीक है। आने वाले समय में यदि हाइड्रोजन तकनीक का विस्तार व्यापक स्तर पर होता है, तो भारत न केवल परिवहन क्षेत्र में क्रांति ला सकेगा, बल्कि वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में भी अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। 17 जुलाई का दिन भारतीय रेलवे और हरियाणा दोनों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि का साक्षी बनने जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन और हाईकोर्ट के लंबित मामलों पर कलेक्टर सख्त, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में लंबित जनशिकायतों, न्यायालयीन प्रकरणों और शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन, सुशासन तिहार, हाईकोर्ट के लंबित मामलों और एल-01 स्तर के सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों का निपटारा केवल औपचारिकता न होकर आम नागरिकों को वास्तविक राहत देने वाला होना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे कलेक्टर ने कहा कि एल-01 स्तर के मामलों की जवाबदेही संबंधित जिला अधिकारियों की होगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संभावित सूखे से निपटने की तैयारी के निर्देश: बैठक में संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए सभी विभागों को समन्वित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए जल संसाधन विभाग को जिले के तालाबों, नहरों, एनीकट और स्टॉप डेम का सर्वे कर 20 प्रमुख जलाशयों की वर्तमान स्थिति का आकलन करने और विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया जल जीवन मिशन के तहत पुराने हैंडपंपों के पास रिचार्ज संरचनाएं विकसित करने तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया ।

एग्रीस्टैक, पीएम किसान और केसीसी पर फोकस: कलेक्टर ने कृषि विभाग को एग्रीस्टैक का कार्य शीघ्र पूरा करने, किसानों को रागी, उड़द, अरहर और तिलहन जैसी फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने तथा 132 हेक्टेयर दलहन-तिलहन विस्तार लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), नए केसीसी पंजीयन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण में तेजी लाने को कहा।

पीडीएस और ई-केवाईसी कार्य जल्द पूरा करें: खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पीओएस मशीनों का वितरण शीघ्र पूरा करने, सभी हितग्राहियों की ई-केवाईसी और आधार सीडिंग पूर्ण कराने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने के निर्देश दिए छह पहुंचविहीन उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न भंडारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

हाईकोर्ट और सुशासन तिहार के मामलों पर विशेष निगरानी: कलेक्टर ने हाईकोर्ट में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य, जनपद पंचायत, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम चिरमिरी और आदिवासी विकास विभाग को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए वहीं सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों और मांगों के निराकरण में क्रेडा, विद्युत विभाग, नगर पंचायत नई लेदरी, झगराखांड, मनेंद्रगढ़, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को प्राथमिकता से लंबित प्रकरणों का निपटारा करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान योजना और शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा: बैठक में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, प्री-ऑथराइजेशन, क्लेम और भुगतान प्रक्रिया की समीक्षा की गई आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए।

तेज बारिश से सिवनी मालवा जलमग्न, मुख्य मार्ग पर दो फीट तक भरा पानी, आवागमन प्रभावित

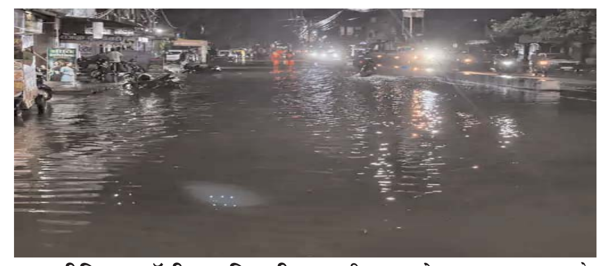

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा में सोमवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली और करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई तेज बारिश ने नगर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी दिनभर की उमस के बाद हुई मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मुख्य सड़कों पर दो फीट तक पानी भर जाने से लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं और यातायात प्रभावित रहा। सबसे अधिक जलभराव नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित स्टेट बैंक कॉलोनी और न्यायालय के मुख्य द्वार के सामने देखने को मिला यहां सड़क पर करीब दो फीट तक पानी जमा हो गया जलभराव के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को पानी के बीच से गुजरना पड़ा जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रही कई वाहन धीमी गति से चलते दिखाई दिए, जबकि कुछ स्थानों पर लोगों को पैदल निकलने में भी कठिनाई हुई। बारिश के दौरान नालियों का पानी सड़कों पर फैल गया, जिससे मुख्य मार्गों पर लंबे समय तक जलभराव बना रहा स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। बालाराम पटेल कॉलोनी निवासी कल्लू रघुवंशी ने बताया कि नगर की नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी आसानी से नहीं निकल पाता परिणामस्वरूप थोड़ी देर की तेज बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं उनका कहना है कि जल निकासी व्यवस्था की अनदेखी के कारण नागरिकों को हर मानसून में परेशानी झेलनी पड़ती है स्थानीय नागरिकों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए नालियों की समय पर सफाई कराई जाए और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक सुधार कार्य किए जाएं तो बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से काफी हद तक राहत मिल सकती है। बारिश से मौसम जरूर सुहावना हो गया और लोगों को उमस से राहत मिली लेकिन नगर की जल निकासी व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आगामी दिनों में होने वाली लगातार बारिश के दौरान हालात और गंभीर हो सकते हैं।

बरबसपुर ने लिया स्वच्छ गांव बनाने का संकल्प, चौपाल में ग्रामीणों को सिखाया कचरा पृथक्करण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की ग्राम पंचायत बरबसपुर में मंगलवार को स्वच्छता चौपाल का आयोजन किया गया 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026' के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, शासकीय कर्मचारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया ग्राम पंचायत भवन में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के उद्देश्य, महत्व और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई वक्ताओं ने बताया कि घरों और सार्वजनिक स्थानों से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण और उचित प्रबंधन स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण की आधारशिला है इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और बेहतर जीवनशैली को भी बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में ग्रामीणों को कचरे के चार प्रकारों-गीला कचरा, सूखा कचरा, घरेलू हानिकारक कचरा तथा स्वच्छता संबंधी अपशिष्ट-को अलग-अलग एकत्रित करने की व्यवहारिक जानकारी दी गई अधिकारियों ने बताया कि यदि प्रत्येक परिवार अपने घर से ही कचरे का पृथक्करण शुरू कर दे तो गांव में कचरा प्रबंधन व्यवस्था अधिक प्रभावी और व्यवस्थित हो सकती है। स्वच्छता चौपाल में लोगों से अपील की गई कि वे सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाएं, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें तथा स्वच्छता अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं ग्रामीणों ने भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाने और नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई सभी ने अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच सोनमती, उपसरपंच शुभांशु शर्मा, पंचगण, शिक्षकगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे ग्रामीणों ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही स्वच्छता अभियान को स्थायी सफलता मिल सकती है।

समय पर बीज-उर्वरक मिलने से किसान बलराम की खरीफ तैयारी पूरी, सहकारी समिति बनी खेती की मजबूत सहारा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ सीजन में समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरकों की उपलब्धता किसानों के लिए सबसे बड़ी जरूरत होती है एमसीबी जिले के ग्राम लालपुर निवासी किसान बलराम के लिए इस बार सहकारी समिति की व्यवस्था खेती की तैयारी में बड़ी मददगार साबित हुई आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुर शाखा, मनेन्द्रगढ़ से समय पर बीज और उर्वरक मिलने से उन्होंने बिना किसी परेशानी के खरीफ फसल की बुवाई की तैयारी पूरी कर ली। किसान बलराम को समिति के माध्यम से 30 किलोग्राम एमटीयू-1156 प्रमाणित धान बीज, छह बोरी नीम लेपित यूरिया, चार बोरी डीएपी, एक बोरी पोटाश तथा दो बोतल इफको नैनो डीएपी उपलब्ध कराया गया सभी आवश्यक कृषि आदान एक ही स्थान पर और निर्धारित समय पर मिलने से उन्हें अलग-अलग दुकानों या बाजारों के चक्कर नहीं लगाने पड़े इससे समय और श्रम दोनों की बचत हुई तथा वे तय समय पर खेत तैयार कर बुवाई की प्रक्रिया शुरू करने में सफल रहे। बलराम ने बताया कि पहले खेती के मौसम में बीज और उर्वरकों की व्यवस्था करना आसान नहीं होता था। कई बार आवश्यक सामग्री समय पर नहीं मिलने से बुवाई में देरी हो जाती थी जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ता था। अब सहकारी समिति के माध्यम से प्रमाणित बीज और आवश्यक उर्वरक आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं इससे खेती की शुरुआत समय पर होती है और अच्छी पैदावार की उम्मीद भी बढ़ जाती है। उन्होंने राज्य सरकार और आदिम जाति सेवा सहकारी समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराना एक प्रभावी किसान हितैषी पहल है इससे छोटे और सीमांत किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे बिना किसी आर्थिक या व्यवस्थागत परेशानी के खेती कर पा रहे हैं। कृषि विभाग के अनुसार सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था का उद्देश्य खेती को अधिक व्यवस्थित, लाभकारी और आत्मनिर्भर बनाना है इससे किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ लागत नियंत्रण में भी मदद मिलती है। किसान बलराम की सफलता इस बात का उदाहरण है कि यदि किसानों को समय पर बीज, उर्वरक और अन्य कृषि आदान उपलब्ध कराए जाएं तो वे बेहतर योजना के साथ खेती कर सकते हैं सहकारी समितियों की यह व्यवस्था न केवल खेती को आसान बना रही है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पेट्रोल की बोतल लेकर कंट्रोल रूम पहुंची महिला, ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और बेदखली का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के सईसपुरा क्षेत्र में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक महिला अपने पति के साथ हाथ में पेट्रोल से भरी बोतल लेकर पुलिस कंट्रोल रूम पहुंच गई महिला ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसके हाथ से पेट्रोल की बोतल छीन ली और काफी देर तक समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया इसके बाद पुलिस ने महिला का आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। महिला ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा कम दहेज लाने को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा उसके अनुसार मायके से रुपए लाने का दबाव बनाया जाता था और विरोध करने पर मानसिक तथा शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था। महिला का दावा है कि उसके करीब एक लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर भी ससुराल वालों ने अपने पास रख लिए हैं जिन्हें अब लौटाने से इनकार किया जा रहा है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे और उसके पति को उनके ही घर से बेदखल करने की कोशिश की जा रही है उनका कहना है कि जिस मकान में वे रह रहे हैं उसका निर्माण उसके पति और ससुर की कमाई से हुआ था लेकिन संपत्ति की रजिस्ट्री सास के नाम कराई गई अब उसी मकान से उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि उनके उपयोग में आने वाले कॉमन शौचालय पर भी ताला लगा दिया गया है जिससे उन्हें परेशान किया जा रहा है महिला के अनुसार 13 अप्रैल 2026 को उसके साथ मारपीट की घटना भी हुई थी। उसने पहले फिजिकल थाना और बाद में महिला थाना में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई न्याय नहीं मिलने पर वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और कार्रवाई की मांग की महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे और उसके पति को झूठे मामलों में फंसाने की धमकियां दी जा रही हैं। महिला के पति ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे लेकिन शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई उनका कहना है कि मकान के निर्माण में उनकी मेहनत और कमाई का पैसा लगा है, फिर भी उन्हें वहां से निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

वन स्टॉप सेंटर के बाहर युवक की चप्पलों से पिटाई, पॉक्सो केस की सुनवाई के बाद शादी को लेकर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में वन स्टॉप सेंटर के बाहर युवक की चप्पलों से पिटाई का मामला सामने आया है घटना का वीडियो सोमवार देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया बताया जा रहा है कि पुराने पॉक्सो प्रकरण में न्यायालय में पेशी के बाद युवक और युवती द्वारा विवाह करने की इच्छा जताने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया जिसके बाद युवती की मां ने युवक की चप्पलों से पिटाई कर दी घटना के दौरान कुछ देर तक मौके पर हंगामे की स्थिति बनी रही। जानकारी के अनुसार मामला एक पुराने पॉक्सो प्रकरण से जुड़ा है। मुजफ्फरनगर निवासी अब्दुल रहमान फर्नीचर का काम करने के लिए कुछ समय पहले कोलारस में रह रहा था आरोप है कि उसी दौरान उसकी पहचान एक नाबालिग लड़की से हुई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया था बाद में उसे न्यायालय से जमानत मिल गई थी और मामला न्यायालय में विचाराधीन है बताया जा रहा है कि युवती के बालिग होने के बाद दोनों फिर संपर्क में आए और साथ रहने लगे सोमवार को दोनों पुराने पॉक्सो प्रकरण में पेशी के लिए शिवपुरी न्यायालय पहुंचे थे सुनवाई के बाद उन्होंने विवाह करने की इच्छा जताई और कोर्ट परिसर के बाहर विवाह संबंधी दस्तावेज तैयार कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसकी जानकारी मिलने पर कुछ हिंदू संगठन के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए साथ ही युवती के परिजनों को भी सूचना देकर शिवपुरी बुलाया गया। परिजनों और संगठन के लोगों ने युवती को समझाने का प्रयास किया लेकिन उसने अपना फैसला बदलने से इनकार कर दिया इसके बाद दोनों पक्षों को काउंसलिंग के लिए वन स्टॉप सेंटर ले जाया गया जहां काफी देर तक समझाइश का दौर चला लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। काउंसलिंग समाप्त होने के बाद जैसे ही युवक वन स्टॉप सेंटर से बाहर निकला दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद हो गया इसी दौरान युवती की मां ने युवक पर चप्पलों से हमला कर दिया सड़क पर कुछ देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही और वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

मूंग खरीदी को लेकर किसानों का आंदोलन तेज, सरकार की 'सद्बुद्धि' के लिए किया यज्ञ, धरना दूसरे दिन भी जारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। समर्थन मूल्य पर मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले नर्मदापुरम में किसानों का अनिश्चितकालीन आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा धरना स्थल पर किसानों ने मध्य प्रदेश शासन और प्रशासन की 'सद्बुद्धि' के लिए यज्ञ आयोजित किया और यज्ञ कुंड में आहुतियां देकर सरकार से किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की आंदोलन के दौरान किसानों ने समर्थन मूल्य पर पूरी मूंग खरीदी, पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी की उपलब्धता तथा कृषि संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग दोहराई।

पीपल चौक पर आयोजित इस प्रतीकात्मक यज्ञ में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया सड़क पर यज्ञ कुंड बनाकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां दी गईं। किसानों का कहना था कि सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है इसलिए जनहित में यह अनूठा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है आंदोलनकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं बल्कि सरकार का ध्यान किसानों की वास्तविक समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। भारतीय किसान संघ का यह अनिश्चितकालीन धरना सोमवार से शुरू हुआ है। आंदोलन के पहले दिन किसानों ने सभा आयोजित कर अपनी मांगों को लेकर रणनीति बनाई थी इसके बाद उन्होंने जेल भरो आंदोलन भी किया और केंद्रीय जेल पहुंचकर स्वयं को गिरफ्तार करने की मांग की हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को समझाइश देकर शांत कराया और वापस धरना स्थल भेज दिया इससे पहले आंदोलन के दौरान किसानों ने अपनी नाराजगी जताते हुए एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह को प्रतीकात्मक रूप से बेशर्म का पौधा भी भेंट किया था। धरना स्थल पर किसानों ने अपने आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाए रखा है विभिन्न तहसीलों से किसान बारी-बारी से धरने में शामिल हो रहे हैं और दिन-रात वहीं डटे हुए हैं सोमवार रात हुई बारिश भी आंदोलनकारियों का हौसला नहीं डिगा सकी। किसान वाटरप्रूफ टेंट में रातभर रुके वहीं भोजन बनाया और सामूहिक रूप से रात्रि विश्राम किया मंगलवार को इटारसी और नर्मदापुरम क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान आंदोलन में शामिल हुए और सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। भारतीय किसान संघ के जिला सहमंत्री रजत दुबे ने बताया कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा और प्रतिदिन अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में बैल को ज्ञापन सौंपने, भैंस के आगे बीन बजाने तथा कृषि मंत्री का पुतला दहन जैसे प्रतीकात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि किसानों की मांगों को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। संभागीय मंत्री देवेंद्र पटेल ने आरोप लगाया कि जिले में किसानों ने प्रति एकड़ चार से पांच क्विंटल तक मूंग का उत्पादन किया है।

भतीजी की शादी में आए युवक की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई युवक अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने गांव आया था शादी समारोह के बाद किसी काम से जाते समय उसकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया पुलिस के अनुसार अमोला क्रेशर निवासी 35 वर्षीय इंदल पुत्र मेहरबान परिहार अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने अमोला कॉलोनी क्रमांक-1 आया था। सोमवार रात शादी संपन्न होने के बाद मंगलवार को वह बाइक से अमोला कॉलोनी क्रमांक-2 की ओर जा रहा था। इसी दौरान कोटा-झांसी हाईवे पर उत्कर्ष होटल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी तेज थी कि इंदल की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया राहगीरों की सूचना पर अमोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सिवनी मालवा में तेज बारिश मुख्य मार्ग पर दो फीट तक भरा पानी, सड़कें बनीं तालाब

मीडिया ऑडीटर,सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा में सोमवार शाम करीब 7:30 बजे अचानक मौसम बदलने के बाद तेज बारिश शुरू हो गई। दिनभर की उमस भरी गर्मी के बाद हुई इस मूसलाधार बारिश से नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। मुख्य सड़कों पर पानी भरने से लोगों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित स्टेट बैंक कॉलोनी और न्यायालय के मुख्य द्वार के सामने सड़क पर लगभग दो फीट तक पानी जमा हो गया। इस जलभराव के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को पानी के बीच से गुजरना पड़ा, जिससे यातायात बाधित हुआ।

बारिश में सड़कों पर पानी: बालाराम पटेल कॉलोनी निवासी कल्लू रघुवंशी ने बताया कि मुख्य मार्ग पर बनी नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण हर बारिश में सड़कों पर पानी भर जाता है। उन्होंने जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने को इस समस्या का मुख्य कारण बताया।स्थानीय निवासियों ने नगर प्रशासन से नालियों की समय पर सफाई और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे बरसात के मौसम में होने वाली इस परेशानी से राहत मिल सकेगी।

खेतों में पर्याप्त नमी के बाद ही करें बोवाई कृषि विभाग ने की एडवायजरी जारी

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। मौसम की अनिश्चितता के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों के बाद भी किसान भाईयों को चिन्तित होने की आवश्यकता नहीं है। खरीफ की बुआई के लिए कुछ सावधानियां अपनाकर किसान उत्पादन में स्थिरता बनाए रख सकते हैं। कुछ जिलों में अल्प वर्षा को देखते हुए खरीफ फसलों की बोवाई में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जब तक खेतों में पर्याप्त नमी न हो जाए, तब तक बुआई करना जोखिम पूर्ण हो सकता है। कृषक कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने वैज्ञानिकों के परामर्श से किसानों को सलाह दी है। संचालक कृषि उमाशंकर भार्गव ने इस संबंध में मैदानी अमले को किसानों से सतत संपर्क करने के अधीनस्थ कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। सामान्य रूप से 4 इंच यानि लगभग 1 बालिश्त की गहराई तक नमी होने तथा बतर आने के बाद बोवाई की आदर्श स्थिति मानी जाती है। वर्तमान में पूरी तरह मानसून की सक्रियता न होने के कारण बोवाई के लिए किसानों को प्रतीक्षा करने की आवश्यकता है। जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की पर्याप्तता हो उन्हें मृदा की उर्वरता बढ़ाने के लिये ढैंचा या सनई की बुवाई हरित खाद के रूप में करना चाहिये। जिन क्षेत्रों में पूर्व में वर्षा हुई है, वे भी हरित खाद या ग्रीन मैन्योरिंग हेतु फसलें बो सकते हैं। बुवाई के लिए तैयार खेतों में आधार खाद जैसे गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट एवं उर्वरक जैसे सुपर फॉस्फेट, म्यूरेट ऑफ पोटाश और जिंक सल्फेट तथा जिप्सम आदि को खेत में बोवाई या छिड़काव द्वारा मिलाया जा सकता है। कृषि सलाह के अनुसार किसान भाई, सोयाबीन के बीज का अंकुरण परीक्षण कर 70 प्रतिशत से अधिक अंकुरण क्षमता वाले बीजों का उपयोग करें। रोग एवं कीट प्रतिरोधी उपयुक्त ऐसी किस्मों का चयन करें जिनकी जल मांग भी कम हो इसके लिये कृषि अधिकारियों से परामर्श लेना उपयोगी होगा बुवाई से पूर्व बीजों को फफूंदनाशकों एवं जैव उर्वरकों से उपचारित करना आवश्यक है सोयाबीन फसल की बुवाई में जलभराव एवं सूखे के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने हेतु रिज- एंड फरो सीड ड्रिल, ब्रॉड बेड एंड फरो (BBF) सीड ड्रिल अथवा हस्तचालित सीड डिब्लर का प्रयोग करना उपयोगी है। इसी प्रकार धान की बोवाई के लिए पद्धति अथवा सीधी बोवाई अपनाना लाभकारी है। किसान भाइयों को वर्षा जल संचय के लिए हर संभव उपाय अपनाना चाहिये। इसके लिए खेत तालाबों पोखर, सोक्ता पिट्, कुओं आदि में जल को रोकने का प्रबंध करना चाहिये। जल भराव वाले खेत के हिस्से में पानी रोकना तथा कुओं और नलकूपों को रिचार्ज करना भी वर्ष भर पानी उपयोग करने की दृष्टि से उपयोगी होगा। खरीफ फसलों में इंटर क्रापिंग या अंतरवर्ती खेती की सलाह भी दी गई है। एक ही खेत में एक से अधिक फसलें साथ बोना और एक फसल की एक से अधिक किस्में बोने से किसी भी संभावित जोखिम में कमी आती है। इसके अतिरिक्त किसानों को फसल बीमा करवाने की सलाह भी दी गई है। कृषि सलाह के अनुसार विभिन्न प्रसार माध्यमों से किसानों को मौसम की सूचनाओं पर ध्यान देने तथा उसके अनुकूल फसल कार्य करने के लिए भी आगाह किया जा रहा है।

निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है, जिसका शुल्क प्रदेश सरकार वहन करती है। प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।

तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं होगा: राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। ऐसे आवेदक, जिन्होंने पूर्व चरणों में आवेदन किया था और सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ वे तृतीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं इसके अलावा, जिन आवेदकों को पूर्व चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया वे भी तृतीय चरण की प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के अनुसार विद्यालयों की चॉइस फिर से अपडेट कर सकेंगे।

सागर में बादलों के बीच रिमझिम बारिश शहर में आधा इंच तो खुरई में एक इंच से अधिक बरसात

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में मानसून की दस्तक के बाद से लोगों को तेज बारिश का इंतजार बना हुआ है। रोज सुबह से आसमान में बादल छा रहे हैं। बादलों के बीच वातावरण में उमस बनी हुई है। अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश और बौछारों का दौर जारी है। मंगलवार सुबह से आसमान में बादलों का डेरा है। सुबह के समय रिमझिम बारिश हुई। बारिश से वातावरण में ठंडक घुली। बदले मौसम के असर से न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इस समय अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम पारा 23.5 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है।

पिछले 24 घंटों में जिले में हुई बारिश: पिछले 24 घंटों में जिले के अलग-अलग स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान खुरई में एक इंच से अधिक बारिश हुई। वहीं सागर शहर में करीब आधा इंच पानी गिरा है। इसके अलावा, मालथौन, बंडा, गढ़ाकोटा, राहतगढ़ और देवरी में भी पानी गिरा है। बारिश के इस सीजन में 1 जून से अब तक जिले में 197.5 मिमी यानी 7.8 इंच बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले साल 7 जुलाई तक जिले में 11.6 इंच बारिश हुई थी।

वेदर सिस्टम के असर से बढ़ेगी बारिश की गतिविधि: मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण झारखंड और उत्तरी आंतरिक ओडिशा पर बना अवदाब पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा है। 24 घंटे में उत्तरी छत्तीसगढ़ होते हुए पूर्वी मध्यप्रदेश की ओर पहुंचेगा। इसके असर से बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मप्र में आएगी। इस सिस्टम के प्रभाव क्षेत्र में सागर होने के कारण मंगलवार से बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। इसके साथ ही मानसूनी ट्रफ भी जिले के मौसम को प्रभावित करेगी। ट्रफ के कारण वातावरण में नमी लगातार बनी रहेगी और एक के बाद एक बारिश वाले बादल विकसित होंगे। अगले 48 घंटों में जिले में तेज बारिश और हवा-आंधी चलने का अनुमान है।

जनकल्याण शिविर गंजबासौदा में 10 को एक ही स्थान पर मिलेगा समस्याओं का समाधान और योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। किसानों और आम नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 10 जुलाई को गंजबासौदा स्थित एल.बी.एस. कॉलेज परिसर में विशाल जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की शिकायतों एवं आवेदनों का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान शिविर की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना और विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य, श्रम तथा अन्य विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने की कार्रवाई भी की जाएगी।

एमपी के 22 खिलाड़ी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई:टीटी नगर स्टेडियम में खिलाड़ियों से मिले मंत्री विश्वास सारंग; बोले-अंतरराष्ट्रीय मंच पर MP इतिहास रचेगा

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। भोपाल में मंगलवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में एशियन गेम्स क्वालिफाई करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों से मुलाकात की। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स के लिए प्रदेश के 22 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के समर्पण और खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को आधुनिक खेल अधोसंरचना, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, वैज्ञानिक कोचिंग, खेल विज्ञान, पोषण और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। टीटी नगर स्टेडियम में खिलाड़ियों से बातचीत करते खेल मंत्री विश्वास सारंग। सारंग ने कहा कि पूरा प्रदेश उनके साथ है। हमें विश्वनास है खिलाड़ी भारत के लिए पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। मंत्री ने प्रशिक्षकों और खेल विभाग के अधिकारियों की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

22 खिलाड़ियों ने किया क्वालिफाई: आगामी एशियन गेम्स के लिए मध्यप्रदेश के 22 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में क्वालिफाई किया है। इनमें एथलेटिक्स, शूटिंग, रायफल, कैनो स्लालम, कैनोइंग, कायाक, शॉटगन, क्लाउड जुडो और घुड़सवारी सहित विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ी शामिल हैं।

रतलाम रेल मंडल से गुजरने वाली 3 ट्रेनें रद्द मुंबई में हुई भारी बारिश के कारण 5 ट्रेनों को री-शेड्यूल किया, 2 का बदला रूट

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। मुंबई एवं पुणे क्षेत्र में भारी बारिश के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। मुंबई से चलने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को निरस्त किया गया है। कुछ ट्रेनों को री-शेड्यूल और शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। मुंबई मंडल में लगातार हो रही भारी वर्षा, जलभराव तथा मुंबई-पुणे घाट सेक्शन में भूस्खलन एवं रेलवे ट्रैक पर बोल्डर गिरने के कारण पश्चिम एवं मध्य रेलवे के विभिन्न रेलखंडों पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है।

रतलाम रेल मंडल होगा प्रभावित: मुंबई एवं पुणे क्षेत्र में भारी बारिश की परिस्थितियों के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली अथवा मंडल में आने और जाने वाली कुछ अन्य ट्रेनें भी विलंब से चलने की संभावना है। इसके साथ ही उन्हें री-शेड्यूल व शॉर्ट टर्मिनेट भी किया जा सकता है। साथ ही उनका मार्ग भी परिवर्तित किया जा सकता है।

इन ट्रेनों का बदला मार्ग: 6 जुलाई को ट्रेन संख्या 22944 इंदौर-दौंड सुपरफास्ट एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया सूरत-जलगांव-मनमाड-पुणे होकर चलेगी। 6 जुलाई को ट्रेन संख्या 12264 हजरत निजामुद्दीन-पुणे दुरंतो एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया सूरत-पालधी-जलगांव-मनमाड-पुणे होकर चलेगी।

इन ट्रेनों को किया निरस्त: ट्रेन संख्या 12953 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस।ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस- माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस।6 जुलाई को इन ट्रेनों को किया री-शेड्यूलट्रेन संख्या 12951 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस रात 21 बजे चलाई गई। ट्रेन संख्या 12955 मुंबई सेंट्रल-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रात 23 बजे चलेगी। ट्रेन संख्या 12961 मुंबई सेंट्रल-इंदौर अवंतिका एक्सप्रेस रात 23:30 बजे चलेगी। ट्रेन संख्या 12903 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर गोल्डन टेम्पल मेल रात 23:15 बजे चलेगी। ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी अवध एक्सप्रेस 7 जुलाई को रात 1:30 बजे प्रस्थान करेगी।

शासकीय छात्रावासों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 जुलाई तक

स्थान रिक्त होने पर अंतिम चरण में 20 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक/बालिका शासकीय छात्रावासों में रिक्त स्थानों पर प्रवेश के लिए अंतिम चरण में 20 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। इस वर्ष से प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की गई है। इसके लिए विभाग ने एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष होस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि, प्रदेश में संचालित छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्गों की बालिका/बालक को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पारदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है। यह ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित (Integrated) डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण तथा प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यह प्रणाली विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) टाइप-II एवं एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास (एनएससीबी) बालक/बालिका छात्रावासों के पारदर्शी प्रबंधन एवं उनमें प्रवेश की सुविधा के लिए विकसित की गई है।

आवेदन की अंतिम तिथि एवं प्रक्रिया: राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार छात्रावासों में कक्षा 6वीं एवं अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी अंतिम चरण में 20 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। हॉस्टल में भर्ती के लिए अभिभावक/पालक/विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन नजदीकी एमपी ऑनलाइन कियोस्क केंद्र से स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट https://education-portalx.in के माध्यम से भरा जा सकता है। यदि अभिभावक/पालक/विद्यार्थी को फॉर्म भरने में कोई समस्या आती है तो आवेदन वार्डन के सहयोग से भी भरा जा सकेगा। छात्रावासों में प्रवेश प्राप्ताः छात्रावासों में लक्ष्य अनुसार 50/100/150/175/200/220/275 स्थान उपलब्ध हैं। कक्षा 6 से 8 की बालिका को (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाइप-II) में तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास प्रवेश दिया जाता है। वहीं कक्षा 6 से 12 की बालिका को (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाइप- में प्रवेश की पात्रता है।

रतलाम में रातभर बरसे बादल 2.75 इंच बारिश के बावजूद जिले में अब भी पिछले साल से आधी वर्षा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में सोमवार रात से रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह तक चलता रहा। रात भर में 2.75 इंच पानी गिरा। बारिश होने से तापमान में कमी आई है। किसानों के लिए भी यह बारिश राहत लेकर आई है। मंगलवार सुबह 8 बजे बाद मौसम खुल गया। आसमान में बादल छाए रहे। सूरज की लुकाछिपी जारी रही। दोपहर 12 बजे बाद फिर से रिमझिम बारिश शुरू हो गई। जुलाई माह की शुरूआत से रतलाम जिले में मानसून एक्टिव है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश रतलाम शहर में 2.75 इंच, पिपलौदा में 2.20 व जावरा में 2 इंच बारिश हुई है। 1 जून से लेकर अब तक जिले में 6.68 इंच बारिश हो चुकी है। यह बारिश पिछले साल से इस समय तक की आधी है। गत वर्ष इस समय तक 13 इंच बारिश हो चुकी थी। बारिश होने से जल स्तर भी बढ़ रहा है। किसानों ने खेतों में बोवनी कर दी है। अभी और बारिश की जरूरत है।

बारिश का अलर्ट: मंगलवार दोपहर बाद मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। जिले में 1 जून से लेकर अब तक सर्वाधिक बारिश रतलाम शहर में 10 इंच हो चुकी है। जबकि गत वर्ष इस समय तक 13 इंच बारिश हुई थी। पूरे जिले में अभी औसत से कम बारिश हुई है। जिले की सामान्य वर्षा का औसत 918.3 मिमी है।

खरगोन में साइबर जागरूकता मैराथन, 500 लोग शामिल 'सेफ क्लिक सुरक्षित जीवन' का संदेश दिया, सामूहिक शपथ भी ली

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन पुलिस ने डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ©SAFE CLICK 2.0' अभियान के तहत एक साइबर जागरूकता मैराथन का आयोजन किया। लगभग एक किलोमीटर लंबी इस दौड़ में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह मैराथन मंगलवार सुबह 7:30 बजे पुलिस अधीक्षक (एसपी) रवींद्र वर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर लेकर और नारे लगाते हुए डीआरपी लाइन तक दौड़ लगाई। इस दौरान उन्होंने 'सेफ क्लिक सुरक्षित जीवन' का संदेश दिया।

प्रतिभागियों को सामूहिक शपथ दिलाई: डीआरपी लाइन परिसर में मैराथन के समापन पर एसपी रवींद्र वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को सामूहिक शपथ दिलाई। शपथ में लोगों ने खुद के साथ-साथ मित्रों, परिवार और समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इसी कड़ी में, गोगावां में भी एक समान मैराथन का आयोजन किया गया। को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस मैराथन में आम नागरिकों के साथ-साथ शिक्षकों और स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। शिक्षा के अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। राज्य शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग ने अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए निर्धारित तिथि को बढ़ा दी है। इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। निजी विद्यालय विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, पूर्व में निजी विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 निर्धारित थी, लेकिन इस अवधि तक अनेक अशासकीय विद्यालयों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में आवेदन नहीं किए जा सके थे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए निजी विद्यालयों को यह अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी निर्देशों में यह स्पष्ट किया है कि 10 जुलाई 2026 के बाद आवेदन की अंतिम तिथि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी। शिक्षा का अधिकार नियम, 2011 के नियम 11 के अनुसार यदि कोई विद्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत समय पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं करता है तो निर्धारित अवधि के बाद उसकी मान्यता, स्वतः समाप्त मानी जाएगी। ऐसे विद्यालय का संचालन शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 18 के अंतर्गत उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी जिला अधिकारियों को अपने जिले के सभी संबंधित अशासकीय विद्यालयों को समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन लॉक कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

एम्बाप्पे ने नस्लीय टिप्पणी पर पराग्वे के सांसद को फटकारा

पराग्वे सरकार ने सीनेटर की 'घृणित' टिप्पणी को किया खारिज

नई दिल्ली एजेंसी। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे और फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। दोनों ने अमारिला को 'घृणित' और 'सार्वजनिक पद के अयोग्य' बताया। यह विवाद फ्रांस और पराग्वे के बीच खेले गए फीफा विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले के बाद एम्बाप्पे की मूल उत्पत्ति का मजाक उड़ाते हुए की गई उनकी 'आपत्तिजनक और घृणित' नस्लीय टिप्पणी के कारण सामने आया। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला ने विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल में फ्रांस से अपनी टीम की हार के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह विवादित टिप्पणी की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किलियन एम्बाप्पे ने कहा, 'आप एक घृणित महिला हैं और अपने पद के योग्य नहीं हैं। आप पराग्वे का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं, उस देश का जिसने पूरे टूर्नामेंट में जुनून और सम्मान के साथ खेला।' उन्होंने आगे कहा, 'आपकी गैर-जिम्मेदाराना हरकत और खुलेआम किए गए नस्लवाद के कारण पूरी दुनिया अब उस ऐतिहासिक सफर और शानदार प्रदर्शन को भूल चुकी है, जो पराग्वे के खिलाड़ियों ने इस विश्व कप में किया। उसकी जगह अब एक अयोग्य महिला की छवि सामने है, जो अपने देश की सबसे खराब तस्वीर पेश कर रही है।' एम्बाप्पे ने कहा, 'मैं कभी भी ऐसे लोगों को दुनिया भर में नफरत और नस्लवाद फैलाने की आजादी नहीं दूंगा।' फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने भी पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला की नस्लीय टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें 'पूरी तरह घृणित और अस्वीकार्य' बताया। एफएफएफ ने अपने बयान में कहा, 'कोई इस तरह की बातें कैसे कर सकता है ये टिप्पणियां आपराधिक और निंदनीय हैं। इन पर यहां और अन्य जगहों पर भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। एफएफएफ न्यायिक कार्रवाई के उद्देश्य से अभियोजक कार्यालय में शिकायत दर्ज करा रहा है। फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हैं और यह हमारे देश का अपमान है।' हालांकि, पराग्वे सरकार ने भी सीनेटर सेलेस्टे अमारिला की विवादित टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए उन्हें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और मानवीय गरिमा के सिद्धांतों के विरुद्ध बताया।

45 साल के हुए महेंद्र सिंह धोनी

फैंस ने रांची में उनके घर के बाहर मनाया जन्मदिन

रांची (झारखंड)एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के फैंस उनका 45वां जन्मदिन मनाने के लिए रांची में उनके घर के पास जमा हुए। वे पोस्टर लेकर आए, केक काटा और इस दिग्गज क्रिकेटर के लिए अपना प्यार और सम्मान जाहिर किया। इस खास मौके पर धोनी के घर के पास समर्थक जमा हुए। कई फैंस ने भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान का जश्न मनाया और उम्मीद जताई कि संन्यास लेने से पहले वे उन्हें अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए देख पाएंगे। एक फैन ने बताया, 'जब भी हम उन्हें देखते हैं, वे हमेशा फिट दिखते हैं। हम चाहते हैं कि वे ऐसे ही रहें और हमें प्रेरित करते रहें। हम उनसे गुजारिश करते हैं कि अपने आखिरी मैच से पहले रांची में कम से कम एक मैच खेलें ताकि उनके फैंस की यह इच्छा पूरी हो सके।' धोनी का सफर खेल के इतिहास में सबसे प्रेरणादायक सफरों में से एक है। रेलवे स्टेशन पर टिकट कलेक्टर के तौर पर काम करने से लेकर भारत के सबसे बड़े ट्रॉफी विजेता बनने तक, उन्होंने टीम को कप्तान के तौर पर ICC टी20 वर्ल्ड कप 2007, ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 और ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जिताई। उन्होंने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया और जबरदस्त हिटिंग के लिए अपनी पहचान बनाई, लेकिन समय के साथ वे एक ऐसे 'फिनिशर' बन गए जो अपनी सोची-समझी आक्रामकता और बेहतरीन रणनीति से टीम को जीत दिलाते थे। भारत के लिए सभी फॉर्मेट में 17,266 इंटरनेशनल रन, 829 डिसमिसल और 538 मैच खेलने वाले धोनी न सिर्फ खेल के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं, बल्कि एक ऐसे क्रांतिकारी भी हैं जिन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया और लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट के प्रति भारत के नज़रिए को बदल दिया।धोनी ने 350 वनडे इंटरनेशनल (ODI) मैचों में 50.57 के शानदार औसत से 10,773 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। उनका करियर का बेस्ट स्कोर नाबाद 183 रन रहा। वे वनडे में भारत के लिए छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर 18,426 रनों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। धोनी का रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने ज़्यादातर मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए 10,000 से ज्यादा वनडे रन बनाए। अ

क्सर दबाव में और कम ओवर बचे होने पर क्रीज पर आने के बावजूद उन्होंने 50 से ज़्यादा का औसत बनाए रखा। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की जिसमें 110 जीते और 74 हारे तथा 5 मैच टाई रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 रहा। धोनी ने 98 T20 इंटरनेशनल मैचों में 37.60 के औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए और उनका सबसे ज्यादा स्कोर 56 रहा। भले ही उनके बैटिंग के आंकड़े शानदार हैं, लेकिन उनकी कप्तानी ने ही असल में उनकी T20I पहचान बनाई।

अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का निधन

एसीबी ने जताया दुख

अफगानिस्तान । अफगानिस्तान क्रिकेट को बड़ा झटका लगा है। टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। दिल्ली के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन वह जिंदगी की जंग हार गए। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें देश के क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक बताया।

ACB ने जताया शोक

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश जारी करते हुए शापूर जादरान को श्रद्धांजलि दी। बोर्ड ने कहा कि उन्होंने पूरे करियर में अफगानिस्तान क्रिकेट की ईमानदारी, साहस और गर्व के साथ सेवा की। उनके योगदान और उपलब्धियों को हमेशा याद रखा जाएगा और राष्ट्रीय टीम के लिए उनकी सेवाएं कभी नहीं भुलाई जाएंगी।

अफगानिस्तान क्रिकेट के शुरुआती सितारों में थे शापूर

शापूर जादरान को अफगानिस्तान क्रिकेट के उन खिलाड़ियों में गिना जाता है जिन्होंने देश में क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगानिस्तान की

पहचान मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ऐसा रहा अंतरराष्ट्रीय करियर

शापूर जादरान ने 2009 में नीदरलैंड्स के खिलाफ वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था, जो अफगानिस्तान के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय दौर का हिस्सा था। उन्होंने 2010 में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उनका आखिरी वनडे मार्च 2019 और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2020 में रहा।

उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वनडे में उनके नाम 43 विकेट दर्ज हैं।

विराट के लिए दिल में बहुत सम्मान

जल्द भारत आना चाहता हूं: नोवाक जोकोविच

नई दिल्ली । मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने जियोस्टार पर कहा, 'मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'मैं सर्बिया से आता हूं, जहां क्रिकेट बड़ा खेल नहीं है। लेकिन मेरी टीम में कुछ लोग ब्रिटिश हैं, और उन्हें क्रिकेट पसंद है। इसलिए मैं पिछले 10 से 15 वर्षों से इस गेम के बारे में सीख रहा हूं। मुझे अभी भी अपनी क्रिकेट स्किल्स पर काम करने की जरूरत है। शायद विराट मेरी तकनीक और बैट स्विंग में मदद कर सकें। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। मुझे उनके देश भारत में उनसे मिलकर अच्छा लगेगा।' जोकोविच ने रविवार को खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में रोमन सफीउलिन को 7-6(6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर, न सिर्फ अगले राउंड में जगह बनाई ।

बेल्जियम और स्पेन क्वार्टर फाइनल में

अमेरिका बाहर, रोनाल्डो का विश्व कप सपना टूटा

नई दिल्ली एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बड़ा उलटफेर और भावुक कर देने वाले दृश्य देखने को मिले हैं। एक तरफ जहां बेल्जियम ने एकतरफा मुकाबले में अमेरिका को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, वहीं दूसरी तरफ स्पेन ने पुर्तगाल को शिकस्त देकर फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्व कप ट्रॉफी जीतने का सपना हमेशा के लिए तोड़ दिया। बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से रौंदा, बालोगुन का 'रेड कार्ड विवाद' रहा चर्चा में प्री-क्वार्टर फाइनल के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम ने अमेरिकी रक्षापंक्ति की कमियों का फायदा उठाते हुए 4-1 से धमाकेदार जीत दर्ज की।

मैच का हाल:

बेल्जियम के स्टार खिलाड़ी चार्ल्स डी केटेलारे ने शुरुआती दो गोल दागकर टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। इसके बाद अमेरिकी डिफेंडर्स की बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हांस वानाकेन ने टीम के लिए तीसरा गोल किया। मैच के आखिरी पलों में रोमेलू लुकाकू ने चौथा गोल दागकर अमेरिका की विदाई तय कर दी। अमेरिका की ओर से एकमात्र गोल पहले हाफ में मलिक टिलमैन ने किया।

ट्रम्प के हस्तक्षेप से हुआ विवाद: यह मैच अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को लेकर उपजे विवाद के कारण काफी चर्चा में रहा। 25 वर्षीय बालोगुन को पिछले मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना के डिफेंडर पर फाउल करने के कारण सीधे 'रेड कार्ड' दिखाया गया था, जिसके चलते उन पर एक मैच का प्रतिबंध था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दखल और फीफा से समीक्षा की अपील के बाद फीफा ने इस बैन को 12 महीने के लिए निलंबित कर दिया, जिससे बालोगुन इस मैच में खेल सके। फीफा के इस फैसले की यूईएफए, बेल्जियम और इंग्लैंड के फुटबॉल संघों ने कड़ी आलोचना की।

स्पेन से हारकर पुर्तगाल बाहर, रोते हुए मैदान से निकले 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो डलास स्टेडियम में खेले गए एक अन्य हाई-वोल्टेज प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस हार के साथ ही फुटबॉल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो का वर्ल्ड कप सफर आंसुओं के साथ समाप्त हो गया।

इंजरी टाइम का ड्रामा:

पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के 91वें मिनट (इंजरी टाइम) में स्पेन के सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने फेरन टोरेस से मिले पास को पुर्तगाली गोलकीपर डिएगो कोस्टा को छकाते हुए गोल पोस्ट में डाल दिया।

29 रन बनाते ही धोनी-रैना को पीछे छोड़ देंगे अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। अगर वह 29 रन बना लेते हैं तो भारत के दो दिग्गज बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना को पीछे छोड़ते हुए भारत के सातवें सबसे ज्यादा टी20द्व रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

रिकॉर्ड पर अभिषेक शर्मा की नजर शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा ने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर आयरलैंड के खिलाफ गोल्डन डक को छोड़कर लगातार प्रभावशाली बल्लेबाजी की है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में उन्होंने 59 और दूसरे टी20 में 43 रन की अहम पारी खेली। अब ट्रेंट ब्रिज में खेले जाने वाले तीसरे मुकाबले में उनके पास भारत के ऑलटाइम टी20द्व रन स्कोरर्स की सूची में बड़ी छलांग लगाने का मौका है। धोनी और रैना का रिकॉर्ड तोड़ने से कितने रन दूर अभिषेक ने अब तक 49 पारियों में 1,589 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं। भारत के लिए टी20द्व में सुरेश रैना ने

1,605 रन बनाए हैं, जबकि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम 1,617 रन हैं। अभिषेक को रैना से आगे निकलने के लिए 17 रन और धोनी को पीछे छोड़ने के लिए 29 रन की जरूरत है। हालांकि छठे स्थान पर मौजूद शिखर धवन (1,759 रन) तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा सफर तय करना होगा। भारत के लिए टी20द्व में सबसे ज्यादा रन रोहित शर्मा (4,231) के नाम हैं। उनके बाद विराट कोहली (4,188), सूर्यकुमार यादव (3,272), हार्दिक पंड्या (2,288) और केएल राहुल (2,265) का स्थान है। मौजूदा भारतीय टीम में सबसे आगे अभिषेक इंग्लैंड दौरे पर मौजूद भारतीय टी20 टीम में अभिषेक शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बाद तिलक वर्मा (1,501), संजू सैमसन (1,405), ईशान किशन (1,390) और कप्तान श्रेयस अय्यर (1,222) का नंबर आता है।शिवम दुबे के पास भी रिकॉर्ड बनाने का मौका तीसरे टी20 में शिवम दुबे के पास भी खास उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। दूसरे टी20 में उन्होंने गेंदबाजी नहीं की थी, लेकिन अगर ट्रेंट ब्रिज में उन्हें गेंदबाजी का मौका मिलता है और वह एक विकेट हासिल कर लेते हैं तो भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को टी20द्व विकेटों की सूची में पीछे छोड़ देंगे। दुबे ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों में तीन विकेट लिए थे और अब इंग्लैंड में पहली बार गेंदबाजी करते हुए नया रिकॉर्ड बना सकते ।

मेरे नाम पर भ्रामक बयान फैलाए जा रहे

भारतीय टीम को मेरा पूर्ण समर्थनः सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारतीय टीम को शुभकामना दी है, साथ ही किसी भी बयान से इनकार किया है, जिसे उनका दिया बताकर प्रचारित किया जा रहा है। सूर्यकुमार यादव ने एक्स पर लिखा, 'मैं टीम के लिए बहुत खुश हूं और हमेशा उनके लिए अच्छे की दुआ करता हूं। मुझे पता है कि लड़के अपना सब कुछ दे रहे हैं, और उन्हें हमेशा मेरा पूरा समर्थन रहेगा। वैभव के लिए एक खास बात–तुम एक बहुत ही रोमांचक सफर की शुरुआत में हो। हर पल का आनंद लो और देश को गर्व महसूस कराते रहो।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मैंने यह भी देखा है कि ऑनलाइन एक बयान फैलाया जा रहा है, जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताया जा रहा है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और न ही उसे मंजूरी दी है। कृपया बिना जांची-परखी जानकारी पर विश्वास न करें और उसे साझा न करें।' पूर्व कप्तान ने लिखा, 'भारतीय क्रिकेट, मेरे साथी और खेल के लिए मेरा सहयोग हमेशा उन शब्दों से ज्यादा

जोरदार रहेगा जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताए गए हैं।' पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम पर हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ बयान भ्रामक तरीके से फैलाए गए हैं, जिनमें वे अपनी टी20 की कप्तानी जाने और वैभव सूर्यवंशी पर बोलते हुए दिख रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन के 100 दिवस से अधिक के प्रकरण लंबित न रहें, हर हफ्ते प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जाए : कमिश्नर

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच हेतु ग्राम पंचायतो में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने मंगलवार को संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सीएम हेल्पलाइन के 100 दिवस से अधिक के लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराना सुनिश्चित करें कमिश्नर ने कहा कि हर हफ्ते प्राप्त प्रकरणों के निराकरण में भी तेजी लाई जाए उन्होंने कहा कि यदि लंबित प्रकरणों के निराकरण में विभागीय अधीनस्थ अमला सहयोग नहीं कर रहा है या निराकरण में रूचि नहीं ले रहा है तो अधिकारी गण अधीनस्थ अमले पर नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के एक प्रकरण में अनावश्यक लेट लतीफी करने एवं प्रकरण को गंभीरता से न लेने पर स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक का इस माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए कमिश्नर ने संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए कि रीवा संभाग के सभी जिलों की गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करें इस कार्य हेतु सुपरवाइजर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता, विशेषज्ञ चिकित्सक एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों का आवश्यक सहयोग लिया जाए कमिश्नर ने उक्त शिविर में कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के भी निर्देश दिए, कमिश्नर ने संयुक्त संचालक महिला व बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि वह तत संबंध में एक ठोस कार्य योजना बनाएं और जहां जहां शिविर आयोजित करना है इसकी व्यापक तैयारियां भी सुनिश्चित करें कमिश्नर ने सख्त हिदायत दी की शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण से कोई भी गर्भवती महिला वंचित न रहने पाए। कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने आईटीआई में प्रचलित 16 ट्रेड की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए की रीवा संभाग के सभी जिलों के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट पर अनिवार्य रूप से कार्य किया जाए, उन्होंने कहा कि स्थानीय युवक-युवतियों को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित किया जाए ताकि वह स्थानीय उद्योग व इंडस्ट्री में रोजगार प्राप्त कर सके कमिश्नर ने वर्तमान में आईटीआई में दिए जा रहे प्रशिक्षण की खराब स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय इंडस्ट्री में जिस स्किल की या मांग की आवश्यकता है उसी मान से युवक एवं युवतियो को उसी ट्रेंड में प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह संभाग के सभी जिलों के एक-एक महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए एमपीपीएससी एवं यूपीएससी की कक्षाएं संचालित करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए यदि फंड एवं आवश्यक किताब या अन्य सुविधाओं की आवश्यकता पड़ती है तो संबंधित जिलों के कलेक्टर से सीआरएस फंड से मदद मुहैया कराई जाएगी कमिश्नर ने उद्यानिकी विभाग को 15 अगस्त तक दिए गए लक्ष्य की पूर्ति करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि स्थानीय स्तर पर सुंदरजा आम के प्रोडक्शन पर विशेष रूप से कार्य किया जा सकता है कमिश्नर ने संभागीय पेंशन अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वह आगामी 6 माह में सेवानिवृत होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों का डाय एकत्रित कर ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के उपरांत पीपीओ देने की कार्रवाई प्राथमिकता से करना सुनिश्चित करें उन्होंने हर ग्राम पंचायत में दुग्ध उत्पादन समिति बनाने के निर्देश दिए साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह मेंटेनेंस की स्थिति में व्यापक स्तर पर सुधार कार्य करना सुनिश्चित करें।

कुछ घंटों की बारिश में डूबा रीवा, मानसून तैयारियों की खुली पोल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक हुई कुछ घंटों की तेज बारिश ने रीवा नगर निगम की मानसून तैयारियों की हकीकत उजागर कर दी शहर के कई प्रमुख मार्ग और निचले इलाके जलमग्न हो गए जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा सबसे गंभीर स्थिति वार्ड क्रमांक-10 के उपरहटी और तरहटी क्षेत्र में देखने को मिली जहां सड़कों पर पानी भर गया और लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया बारिश के बाद सिरमौर चौराहा, समान तिराहा, कॉलेज चौराहा, शिल्पी प्लाजा, पद्मधर कॉलोनी, ढेकहा, अमहिया, बिछिया, बोदाबाग, रतहरा समान, विश्वविद्यालय मार्ग, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड और संजय गांधी अस्पताल परिसर सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई नालियां उफान पर आ गईं और उनका पानी सड़कों पर बहने लगा निचले इलाकों में पानी घरों और दुकानों तक पहुंच गया जलभराव के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई कई वाहन पानी में बंद हो गए जबकि पैदल राहगीरों को घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा शहर के विभिन्न हिस्सों से जलभराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे, जिनमें प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए गए स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान यही हालात बनते हैं नियमित रूप से नालों की सफाई नहीं होने और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था के अभाव में थोड़ी सी बारिश भी शहर के लिए बड़ी समस्या बन जाती है लोगों ने नगर निगम से जलभराव वाले क्षेत्रों में स्थायी समाधान और नालों की समय पर सफाई की मांग की है नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने बताया कि कम समय में हुई तेज बारिश के कारण कुछ स्थानों पर अस्थायी जलभराव हुआ सूचना मिलते ही निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं और पंपों व अन्य संसाधनों की मदद से पानी निकासी का कार्य शुरू कराया गया उन्होंने कहा कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

राजस्थान की घटना पर महिला कांग्रेस का आक्रोश, दोषियों को कठोर सजा देने की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राजस्थान में 13 वर्षीय बच्ची के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव एवं कांग्रेस नेत्री विजयलक्ष्मी मिश्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है उन्होंने प्रेस बयान जारी कर घटना की निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग की विजयलक्ष्मी मिश्रा ने कहा कि इस तरह की घटनाएं महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं उनका आरोप है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और सरकारें इन्हें रोकने में प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है और दोषियों को कानून के तहत ऐसी सजा मिलनी चाहिए, जो भविष्य में इस प्रकार के अपराध करने वालों के लिए कड़ा संदेश बने उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर किए जाने वाले दावों के बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है उनके अनुसार अपराधियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई आवश्यक है ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में कानून का भय कायम रहे महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर सभी दोषियों को जल्द से जल्द कानून के अनुसार कठोरतम दंड दिया जाए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार को महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना होगा उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है तो इस मामले में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करे और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे साथ ही उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता पर भी जोर देते हुए सरकार से महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

40 साल पुराना ग्रामीण मार्ग जेसीबी से खोदने का आरोप, जनसुनवाई में ग्रामीणों ने लगाई न्याय की गुहार

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्राम मुदरिया पहाड़ग्राम के ग्रामीणों ने 40 वर्ष पुराने सार्वजनिक मार्ग को जेसीबी मशीन से खोदकर बंद किए जाने की शिकायत दर्ज कराई ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रास्ता अवरुद्ध होने से पूरे गांव का आवागमन प्रभावित हो गया है और मरीजों सहित आम लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर कलेक्टर पी.के. पांडे ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार गांव का यह कच्चा एवं पीसीसी मार्ग पिछले लगभग चार दशकों से सार्वजनिक उपयोग में है इसी रास्ते से ग्रामीण रोजमर्रा के कार्यों स्कूल, अस्पताल और बाजार तक आते-जाते रहे हैं। ग्राम पंचायत द्वारा समय-समय पर इस मार्ग पर मिट्टी और मुरम डलवाकर उसका रखरखाव भी कराया जाता रहा हैशिकायत में आरोप लगाया गया है कि 6 और 7 जून को संतोष कुशवाहा, अरविंद कुशवाहा, गेदलाल कुशवाहा, आनंद कुशवाहा सहित अन्य लोगों ने जेसीबी मशीन की सहायता से सड़क को तीन से चार फीट तक खोद दिया जिससे मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने के कारण एंबुलेंस और अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं विशेष रूप से बीमार और बुजुर्ग लोगों को अस्पताल ले जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इस संबंध में पहले भी प्रशासन से शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक न तो रास्ता बहाल कराया गया और न ही आरोपितों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई की गई उनका आरोप है कि आपसी रंजिश के चलते जानबूझकर सार्वजनिक मार्ग को नुकसान पहुंचाया गया है शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि भले ही यह मार्ग राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं है लेकिन वर्षों से गांव के लोग इसका सार्वजनिक रास्ते के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं ग्रामीणों ने प्रशासन से मार्ग को तत्काल बहाल कराने दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है मामले पर अपर कलेक्टर पी.के. पांडे ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को जल्द राहत मिल सके।

9 जुलाई से सात दिवसीय दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं रसिक संकीर्तन महोत्सव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राधा-कृष्ण भक्ति एवं आध्यात्मिक जागरण के उद्देश्य से राधा गोविंद सत्संग समिति रीवा द्वारा 9 से 15 जुलाई 2026 तक सात दिवसीय दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं रसिक संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक राम दरबार मंदिर, संजय नगर (राजकुमार शास्त्री जी के आवास परिसर) में आयोजित होगा महोत्सव में परम पूज्य जगद्गुरुत्तम कृपालु जी महाराज की प्रचारिका एवं आध्यात्मिक प्रवचिका परम पूज्या सुधामेश्वरी देवी जी श्रद्धालुओं को मद्भागवत, भगवद्गीता, वेद, उपनिषद और रामायण सहित विभिन्न धर्मग्रंथों के आधार पर आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करेंगी प्रवचनों में मानव जीवन का उद्देश्य ईश्वर प्राप्ति के साधन, भगवत्कृपा शरणागति, कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, सद्गुरु की आवश्यकता तथा भगवत्प्राप्त संत की पहचान जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन दिव्य नाम-संकीर्तन भजन और भक्तिरस से ओतप्रोत आध्यात्मिक वातावरण का लाभ श्रद्धालुओं को मिलेगा आयोजन समिति ने रीवा एवं आसपास के क्षेत्रों के धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है महोत्सव की पूर्णाहुति के बाद 16 जुलाई को दोपहर 2 से 4 बजे तक जगन्नाथ मंदिर, बिछिया से चौराहा तक भव्य जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा महोत्सव भी निकाला जाएगा।

कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का किया निराकरण

किसी ने भू माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने तो किसी ने अतिथि शिक्षक का मानदेय भुगतान करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आम जनों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए प्रति मंगलवार को जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में रीवा संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने विभिन्न आवेदकों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं का निराकरण किया ग्राम धानी जिला सिंगरौली की रोहिणी भूर्तियां ने भू माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने एवं अवैध रेत भंडारण पर प्रभावी कार्रवाई करने के संबंध में कमिश्नर शीलेंद्र सिंह के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया कमिश्नर ने कलेक्टर सिंगरौली को आवेदन कर्ता के प्रकरण की जांच व परीक्षण कर उचित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया प्राथमिक शाला चोराबारी के अतिथि शिक्षक विवेक प्रजापति ने गत माह सितंबर 2025 से अब तक कराए गए अध्यापन कार्य का मानदेय भुगतान न होने के संबंध में शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा को आवेदन का परीक्षण कर मानदेय भुगतान करने के निर्देश दिए, ग्राम चाकघाट की लल्ली देवी ने अपने मकान से अवैध कब्जा हटाने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया कमिश्नर ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के उचित निराकरण के निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम पटेहरा तहसील मनगंवा के मोतीलाल शर्मा ने बताया कि गांव की जमीन पर पांच भाइयों को बराबर हिस्सा पटवारी द्वारा प्रदान किया गया था किंतु आज एक भाई द्वारा ही जमीन का लाभ लिया जा रहा है और अन्य भाइयों को अब तक जमीन का कब्जा नहीं मिला है कमिश्नर ने तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए ग्राम भिटवा तहसील हुजूर की मती राम सिया विश्वकर्मा ने अपने घर को वर्षा एवं डूब से बचाने का अनुरोध किया एवं बताया कि पड़ोसी द्वारा की गई मेढ बंधान के कारण उक्त स्थिति निर्मित हो रही है।

स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाने 16 जुलाई से हर बैंक शाखा में लगेंगे

स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा बैठक में बैंकों और विभागों को 31 जुलाई तक लक्ष्य पूरा करने कलेक्टर ने दी हिदायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में रीवा जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई बैठक में विभागीय अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे, जिन्हें कलेक्टर ने योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों को 31 जुलाई तक पूरा करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शासन की स्वरोजगार योजनाओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं और जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर बनाना है इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न विभागों की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस दौरान कलेक्टर ने कुछ विभागों और बैंकों के ढीले रवैये पर असंतोष जताया और निर्देश देते हुए कहा कि बैंकों में जो भी स्वरोजगार के आवेदन लंबित हैं, उन्हें बिना किसी देरी के स्वीकृत कर राशि वितरित कराए। अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक आपस में बेहतर तालमेल बनाएं ताकि आवेदकों को विभागों या बैंकों का चक्कर न काटना पड़े। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग वित्तीय वर्ष के निर्धारित भौतिक और वित्तीय लक्ष्यों को समय सीमा के भीतर हासिल करें ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी शासन की महत्वाकांक्षी स्वरोजगार योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी 16 जुलाई से जिले की प्रत्येक बैंक शाखा में स्वरोजगार योजनाओं के विशेष मेलों का आयोजन किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 करोड़ 3 किलो से ज्यादा एमडी ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 3.087 किलोग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार करने का खुलासा किया है पुलिस के अनुसार जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है। आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं पुलिस के मुताबिक, 6 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सोनवर्षा निवासी मंडप सिंह (23) और ज्ञानभूषण शर्मा (27) मोटरसाइकिल से बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स लेकर बिक्री के लिए जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर थाना गढ़ पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया तलाशी के दौरान उनके पास से 3087 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ पहले से अन्य एनडीपीएस मामलों की जानकारी मिली है हालांकि एमडी ड्रग्स के मामले में यह पहली गिरफ्तारी है पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स कहां से लाई गई और इसकी सप्लाई किन लोगों तक की जानी थी हाल ही में मऊगंज में पकड़ी गई कथित ड्रग्स फैक्ट्री से भी इस मामले के तार जोड़कर जांच की जा रही है पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का सात दिन में करें निराकरण : कलेक्टर

कलेक्टर ने आमजनता के आवेदन पत्रों में की जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आमजनता के आवेदन पत्रों में सुनवाई की तथा अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण करें समय सीमा में आवेदन पत्र का निराकरण न होने पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी सभी एसडीएम शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा, आम रास्ता बंद करने तथा हैण्डपंपों पर अवैध कब्जे जैसे आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही कराएं आवेदन पत्रों के निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराएं तथा कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें कलेक्टर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदनों के संबंध में निर्देश दिए जनसुनवाई में कलेक्टर के साथ-साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर डॉ अनुराग तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, तहसीलदार हुजूर शहर अनुपम पाण्डेय, तहसीलदार हुजूर ग्रामीण शिवशंकर शुक्ला एवं अन्य अधिकारियों ने भी आवेदनों में सुनवाई की जनसुनवाई में भागवत प्रसाद मिश्रा निवासी लटियार ने नक्शा तरमीम के लिए आवेदन दिया कलेक्टर ने नायब तहसीलदार जवा को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए सत्यनारायण दुबे निवासी मनिकवार ने शासकीय जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए जनसुनवाई में गायत्री शुक्ला निवासी तिघरा ने जेपी सीमेंट प्लांट से अवैध रूप से निकाले गए कर्मचारियों की कठिनाईयों के निराकरण के लिए आवेदन दिया कलेक्टर ने जिला श्रम पदाधिकारी को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए ग्राम पंचायत हटवा के निवासियों ने सड़क के किनारे पानी के भराव को दूर करने के लिए आवेदन दिया कलेक्टर ने एसडीएम सिरमौर को अवैध निर्माण कार्य हटाकर पानी निकासी की व्यवस्था के निर्देश दिए यज्ञपाल नामदेव निवासी रमकुई ने गांव में जल निकासी के लिए नाली निर्माण का आवेदन दिया कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर कर्चुलियान को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए धीरज सोंधिया निवासी घोघर रीवा ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को अनुकंपा नियुक्ति का प्रकरण तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में उपचार सहायता मजदूरी भुगतान भू अर्जन की राशि देने जमीन के सीमांकन तथा बंटवारा तथा छात्रवृत्ति भुगतान सहित विभिन्न विषयों के आवेदनों में सुनवाई की गई जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।